राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 160 | पृष्ठ : 08, | नई दिल्ली, बुधवार, 22 दिसम्बर 2021 | मूल्य: 1.50/-

झारखंड में मॉब लिंचिंग के दोषी को मौत की सजा

प्रिवेंशन ऑफ लिंचिंग विधेयक पास

बीजेपी ने बताया काला अध्याय; कहा-ये झारखंड विरोधी बिल

एजेंसी ⏭ रांची

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन राज्य में मॉब लिंचिंग रोकने के लिए झारखंड भीड़, हिंसा एवं भीड़ लिंचिंग निवारण विधेयक 2021 पास हो गया है। संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने विधेयक को सदन में प्रस्ताव रखा। जिस पर स्पीकर ने मतदान कराया और सभी ने अपना मत भी रखा।

वहीं, विधेयक पर चर्चा के दौरान बीजेपी ने जमकर हंगामा किया। बीजेपी के विधायक वेल तक पहुंच गए। उन्होंने इस कानून सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप भी लगाया। पार्टी के तीन विधायकों अमर बाउरी, अमित मंडल और रामचंद्र चंद्रवंशी ने संशोधन प्रस्ताव भी लाए लेकिन सभी खारिज कर दिए गए।

बीजेपी ने बताया काला अध्याय

बीजेपी के विधायक अमित मंडल ने कहा कि सरकार का ये काला अध्याय पूरे झारखंड में लिखा जाएगा। उन्होंने इसे तैयार करने वाले अधिकारियों की मंशा पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इसमें भीड़ को अंग्रेजी में मॉब लिखा गया है और उसके बारे में कहा गया है कि दो या दो से अधिक। किस आधार पर दो व्यक्ति को मॉब लिखा गया है। ये सरकार को खुश करने के लिए IAS अधिकारियों का कारनामा है।

वहीं अमर बाउरी ने कहा कि किसी विशेष वर्ग को तुष्टीकरण के लिए आदिवासी भाइयों पर अत्याचार कर रहे हैं। ये झारखंड विरोधी बिल है। झारखंड में अब मॉब लिंचिंग से किसी की मौत हो जाती है तो दोषियों को मौत की सजा मिलेगी।

शीतकालीन सत्र के चौथे दिन यूं मॉब लिंचिंग पर बना कानून

- दरअसल, मंगलवार को झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथा था। जहां संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने मॉब लिंचिंग रोकने के लिए विधेयक को सदन में प्रस्ताव रखा। जिस पर स्पीकर ने मतदान कराया और सभी ने अपना मत भी रखा। इस तरह से झारखंड में अब मॉब लिंचिंग पर कानून बन गया है।

बंगाल के बाद झारखंड में लागू होगा प्रिवेंशन ऑफ लिंविंग एक्ट

इस बिल में क्या-क्या हैं प्रावधान

मॉब लिंचिंग रोकने वाले बिल के तहत अगर मारपीट के दौरान किसी की मौत हो जाती है तो दोषियों को मौत की सजा मिलेगी। इसके अलवा 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं लिंचिंग के दौरान किसी को चोट आती है तो दोषी को तीन साल तक की सजा और एक लाख रुपए से तीन लाख रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है।

झारखंड में मॉब लीचिंग की घटनाएं

- 19 मार्च 2021- गुमला: हत्या के आरोपी रामचंद्र उरांव को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला।
- 13 मार्च 2021- रांची: मोबारक खान को बाइक चोरी के आरोप में पीट-पीट कर मार डाला।
- 10 मार्च 2021- रांची: सचिन कुमार वर्मा को ट्रक चोरी के आरोप में पीट-पीट कर मार दिया।
- 16 सितंबर 2020- सिमडेगा: राज सिंह, दीपक कुल्लू, इमानुएल टेटे, सुगाद डाग, सुलीन बारला, रोशन डांग, सेम किड़ो को गौकशी के आरोप में पीटा, उनका सर मुंडवाया और जय श्री राम के नारे लगवाए।
- 2 जुलाई 2020- दुमका: गाय मांस बेचने के आरोप में छोटेलाल टुडू और मंडल मुर्मू को पीटा गया। 2 जुलाई 2020- पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर): गाय का मांस खाने के आरोप में रमेश बेसरा की पिटाई की गई।
- 23 जून 2020- गोड्डा: बकरी चोरी के आरोप में बबलू शाह और उचित्त कुमार यादव को भीड़ ने जमकर पीटा था, जिसमें बबलू शाह की मौत हो गई थी।

सरकार का बड़ा एक्शन

20 यूट्यूब चैनल पर लगा बैन

फैला रहे थे भारत विरोधी प्रोपोगैंडा

2 वेबसाइट पर भी एक्शन पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहे थे

नई दिल्ली/एजेंसी। 20 यूट्यूब चैनल के अलावा दो वेबसाइट पर भी प्रतिबंध किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये सभी 20 यूट्यूब चैनल पाकिस्तान से संचालित होते थे और दो वेबसाइट को भी पाकिस्तान से ही ऑपरेट किया जा रहा था। गूगल के स्वामित्व वाले वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत विरोधी प्रोपोगैंडा फैलाने वाले 20 यूट्यूब चैनलों और दो वेबसाइट पर बैन लगाया है।

यूट्यूब ने यह कार्रवाई भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक आदेश के बाद की है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमने भारत विरोधी दुष्प्रचार और फेक न्यूज फैलाने वाली वेबसाइटों के खिलाफ कार्रवाई की है। यूट्यूब चैनल और वेबसाइट पाकिस्तान से चलाए जा रहे एक दुष्प्रचार नेटवर्क से संबंधित हैं और भारत से संबंधित विभिन्न संवेदनशील विषयों के बारे में फर्जी खबरें फैला रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए बात दें कि आईटी एक्ट 2021 के तहत यह पहली बड़ी कार्रवाई हुई है। 20 यूट्यूब चैनल के अलावा दो वेबसाइट पर भी प्रतिबंध किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये सभी 20 यूट्यूब चैनल पाकिस्तान से संचालित होते थे और दो वेबसाइट को भी पाकिस्तान से ही ऑपरेट किया जा रहा था।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और टेलीकॉम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इन चैनल और वेबसाइट को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस की मदद से भारत विरोधी प्रोपोगैंडा फैलाया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि इन चैनल में एक नया पाकिस्तान के नाम से भी था जिसके करीब दो मिलियन सब्सक्राइबर्स थे। ये चैनल कृषि कानूनों के खिलाफ और अयोध्या से लेकर कश्मीर तक को लेकर फर्जी खबरें चला रहे थे।

मजीठिया को मिला कैप्टन का साथ

अमरिंदर सिंह बोले- झूठा फंसाया जा रहा है, सिर्फ दुश्मनी में केस दर्ज करना लोकतंत्र के खिलाफ

राजपुरा (पंजाब)/एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस के प्रधान कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूर्व कैबिनेट मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया पर केस दर्ज करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ड्रग केस की जांच रिपोर्ट का बंद लिफाफा अभी हाईकोर्ट में है। इसको खोला तक नहीं गया है। किसी से दुश्मनी निकालने के लिए बिना किसी सुबूत के ऐसा करना जायज नहीं है क्योंकि देश में कानून का राज है।

पंजाब सरकार ने ड्रग्स मामले में पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अब मजीठिया को पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का साथ मिल गया है। कैप्टन ने कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ गलत मामला दर्ज किया गया है। मैं इस बारे में अच्छी तरह जानता हूं

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि बिक्रम मजीठिया को झूठा फंसाया जा रहा है। उसके खिलाफ कोई सबूत ही नहीं हैं तो उसे कैसे गिरफ्तार किया जाएगा।

किसी से दुश्मनी निकालने के लिए केस दर्ज करवाना लोकतंत्र के खिलाफ है। कैप्टन ने कहा कि जिसने गुनाह किया हो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए न कि किसी की बातों में आकर केस दर्ज करवाना चाहिए। कैप्टन ने कहा कि मजीठिया पर एफआईआर दर्ज करके अगर उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है तो वह अगले दिन जमानत पर बाहर आ जाएगा क्योंकि सरकार के पास कोई भी सबूत नहीं है।

किसानों का रेल रोको आंदोलन

रेलवे ने 40 ट्रेनों को किया रद्द

एजेंसी ⏭ जालंधर/पठानकोट

पंजाब में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के रेल रोको आंदोलन के कारण 40 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इनमें कई मुख्य ट्रेनें शामिल हैं। दिसंबर में छुट्टियों में घूमने जाने वाले लोगों को इसके कारण अब अपना प्लान बदलना पड़ेगा। ट्रेनें रद्द होने की वजह से अब यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ेगी। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी ने कर्जमाफी और कई अन्य मांगों पर सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में रेल रोको आंदोलन शुरू किया है। किसानों ने रेल ट्रैक अनिश्चितकाल के लिए जाम कर दिया है। नई दिल्ली शताब्दी सहित आठ ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों से रवाना किया गया। ट्रेनें रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पठानकोट-जम्मूतवी रेल सेक्शन ठप, यात्री हलकान

इंडियन ऑयल के कैंपस में लगी भीषण आग,3 लोगों की मौत

● प बंगाल के हल्दिया में हुआ हादसा ● सीएम ममता बनर्जी ने जताया हादसे पर दुख

हल्दिया/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में स्थित इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के कैंपस में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 42 लोग घायल हो गए।

हल्दिया में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के प्लांट में लगी आग में घायलों को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अस्पताल और कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, आज इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के भीतर एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था। मॉक ड्रिल के बाद एक प्लांट में शटडाउन का काम चल रहा था और तभी ड्रिलिंग के दौरान विस्फोट से आग लगी।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की ओर से बताया गया है कि घायलों को कोलकाता भेजा गया है। कॉरपोरेशन ने बताया कि आग मॉक ड्रिल के बाद लगी। मॉक ड्रिल सफलता पूर्वक हो गई थी। ढ्ढह्रष्ट ने मामले में जांच शुरू कर दी है। स्थानीय प्रशासन भी इस मामले में जांच करेगा।

हल्दिया में इंडियन ऑयल के कैंपस में लगी आग

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में स्थित इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के कैंपस में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 42 लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थिति पर अब काबू पा लिया गया है।

राज्यसभा — चुनाव कानून संशोधन के विरोध में रूल बुक फेंकने पर हुई कार्रवाई

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन राज्यसभा से निलंबित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन को संसद के बचे हुए शीतकालीन सत्र से मंगलवार को सस्पेंड कर दिया गया। डेरेक ओ ब्रायन ने चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किए जाने का विरोध करते हुए रूल बुक सभापति की कुर्सी की तरफ फेंकी और सदन से वॉकआउट कर गए। इसके बाद विपक्षी दलों ने भी जोरदार विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। ओ ब्रायन के रूल बुक फेंकने को सदन की मर्यादा के विपरीत मानते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उन्हें मौजूदा सत्र के बाकी दिनों के लिए सदन से सस्पेंड कर दिया।

इससे पहले राज्यसभा की कार्यवाही खत्म होने से पहले सदन में उनके व्यवहार की आलोचना भी की गई। बता दें इस सत्र की शुरुआत में भी हंगामा करने पर 12 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, जिसे लेकर विपक्षी दल बेहद विरोध जता रहे हैं।

उधर, सस्पेंड होने के बाद ओ ब्रायन ने ट्वीट में कहा, पिछली बार मुझे राज्य सभा से तब सस्पेंड किया गया था, जब सरकार जबरन किसान कानून थोप रही थी। हम सभी जानते हैं कि उसके बाद क्या हुआ। भाजपा द्वारा संसद का मजाक बनाए जाने और चुनाव कानून जबरन थोपने का विरोध करने के लिए सस्पेंड किया गया है। उम्मीद है कि यह कानून भी जल्दी वापस ले लिया जाएगा।

अनुशासनहीनता के आरोप में पहले ही विपक्ष के 12 राज्यसभा सांसद शीतकालीन सत्र से निलंबित चल रहे हैं। वहीं, मंगलवार को टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन पर भी उनके 'अनियंत्रित व्यवहार' के चलते निलंबन की गाज गिर गई।

टीएमसी सांसद ने भाजपा पर लगाया सारे नियम तोड़ने का आरोप

इसे लेकर ब्रायन ने एक ट्वीट में लिखा, हर नियम और नजीर को तोड़ने के बाद भाजपा के अंदन नियमावली को लेकर भाषण देने का साहस है। ब्रायन के नियमावली फेंकने की घटना को लेकर सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि इस व्यवहार से केवल सदन या चेयर का नहीं, पूरे देश का अपमान हुआ है।

राहुल गांधी के 'लिंचिंग' ट्वीट पर घमासान

राजीव गांधी का वीडियो दिखा बीजेपी ने कहा 'भीड़ हिंसा का जन्मदाता'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक लाइन का ट्वीट किया और घमासान छिड़ गया। हाल ही में पंजाब और कुछ अन्य जगहों पर भीड़ के कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डालने (लिंचिंग) की घटनाएं हुई हैं। राहुल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि साल 2014 से पहले 'लिंचिंग' शब्द सुनने में भी नहीं आता था। उन्होंने 'थैंक्यू मोदी जी' हैशटैग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया।

पंजाब में ही दो घटनाएं

पिछले रविवार को पंजाब के कपूरथला के निजामपुर गांव में एक गुरुद्वारे में सिख धर्म के 'निशान साहिब' का अनादर करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति को भीड़ ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। इससे पहले अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में शनिवार को कथित बेअदबी को लेकर भीड़ ने एक अन्य व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीट कर जान ले ली थी। पंजाब में इस समय कांग्रेस सत्ता में है।

राहुल ने लिंचिंग पर हिंदी और अंग्रेजी में ट्वीट किया। लाइक, कॉमेंट, चर्चा होने लगी तो बीजेपी की तरफ से आईटी टीम के प्रभारी अमित मालवीय ने मोर्चा संभाला। राहुल के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए उन्होंने राजीव गांधी के चर्चित बयान वाला वीडियो शेयर किया जिसमें वह कहते हैं कि जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।

- राहुल गांधी ने लिंचिंग को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना
- एक लाइन के ट्वीट में लिखा, 2014 से पहले शब्द कम सुनने में मिलता था
- बीजेपी के अमित मालवीय ने शेयर किया 46 सेकेंड का वीडियो

सीएम शिवराज का ऐलान

पंचायत चुनाव ओबीसी आरक्षण के साथ होंगे

ओबीसी आरक्षण पर वार-पलटवार

तलवार लेकर हाथ कटने निकले थे, गर्दन कटाकर आ गए।

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

बच्चा किसी और के यहां हुआ, मिठाई आप बांट रहे हैं।

कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश/एजेंसी। मध्यप्रदेश विधानसभा में मंगलवार को अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर बहस के दौरान ष्टरूशिवराज सिंह चौहान ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव OBC आरक्षण के साथ ही होंगे। इसके लिए केंद्र सरकार कोर्ट जाएगी, मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 3 दिन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अलावा कानूनविदों से इस बारे में चर्चा की है। विधानसभा में मंगलवार को पंचायत चुनाव में OBC आरक्षण के मामले में कांग्रेस ने चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव दिया था।

इस पर बहस के दौरान कमलनाथ ने कहा, कोर्ट के ऑर्डर का बहाना न बनाएं। हम अब साथ कोर्ट चलते हैं। सदन सर्वसम्मति से इसे पास करे कि ये स्वीकार है या नहीं।

पंचायत चुनाव की वर्तमान में चल रही प्रक्रिया जारी रहेगी या नहीं? इस पर नगरीय विकास व आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार एक-दो दिन में फैसला लेगी। दरअसल, राज्य निर्वाचन आयोग ने OBC के लिए रिजर्व सीटों को छोड़कर अन्य सीटों पर निर्वाचन की प्रक्रिया को जारी रखा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश हैं कि OBC सीटों को सामान्य घोषित कर अधिसूचना जारी की जाए।

टीएमसी की प्रचंड जीत

134 सीटों पर कब्जा, बीजेपी को मिली महज 3 सीट

एजेंसी ⏭ कोलकाता

ममता बनर्जी की पार्टी ने कोलकाता नगर निगम की सत्ता पर लगातार तीसरी बार कब्जा कर लिया। एक सौ चौवालीस सदस्यीय निगम में टीएमसी ने 89 वार्डों पर जीत दर्ज कर ली है और बाकी सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा ने अब तक 3 सीट जीती है। टीएमसी केएमसी में बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है।

कोलकाता नगर निगम चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ी जीत मिली है। जबकि कांग्रेस, लेफ्ट और भाजपा को निराशा हाथ लगी है। आपको बता दें कि 144 वार्ड में से 134 पर TMC या तो जीत चुकी है या फिर आगे चल रही है। वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष की भूमिका निभा रही भाजपा दिखाई नहीं दे रही है और शुभेंदु अधिकारी राज्य चुनाव आयोग के कमिश्नर और कोलकाता पुलिस पर जमकर हमला बोल रहे हैं।

मता गदगद, बोलीं- BJP, कांग्रेस और CPI(M) को लोगों ने हरा दिया

ममता बनर्जी की पार्टी ने कोलकाता नगर निगम की सत्ता पर लगातार तीसरी बार कब्जा कर लिया। एक सौ चौवालीस सदस्यीय निगम में टीएमसी ने 89 वार्डों पर जीत दर्ज कर ली है और बाकी सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा ने अब तक 3 सीट जीती है। टीएमसी केएमसी में बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है। जबकि कांग्रेस ने दो सीटों पर फतह हासिल की है लेकिन माकपा नीत वाम मोर्चा का सूपड़ा साफ हो गया। अभी कुछ वार्डों पर मतगणना जारी है और दो वार्डों से वाम मोर्चा आगे चल रहा है।

दिल्ली में संक्रमितों की संख्या 54 हुई

कर्नाटक ने न्यू ईयर, क्रिसमस पार्टियों पर लगाई रोक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वैरिएंट से संक्रमित होने वालों की संख्या 54 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को ये जानकारी दी। अधिकारियों ने दिल्ली के 45 मामलों की विस्तृत जानकारी साझा की है, लेकिन 9 मामलों की जानकारी का अब भी इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में अबतक वायरस के नए वैरिएंट से संक्रमण के 34 मामले आए हैं, जिनमें से 17 मरीजों को छुट्टी दी जा चुकी है। कोविड-19 का इलाज करने के लिए दिल्ली सरकार के सबसे बड़े अस्पताल में सोमवार तक ओमीक्रोन के 24 मरीज भर्ती हो चुके थे।

सूत्रों ने बताया कि अबतक साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में 10 मरीज आए हैं। एक अन्य सूत्र ने बताया कि फोर्टिस अस्पताल में भी ओमीक्रोन के एक मामले का पता चला है।

कर्नाटक में 30 दिसंबर से दो जनवरी तक पार्टी या कार्यक्रम आयोजन पर रोक

बेलगावी। ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को 30 दिसंबर से 2 जनवरी तक राज्य में किसी भी पार्टी या आयोजन पर रोक लगा दी। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा- कोविड-19 और ओमीक्रोन से जुड़े मामलों को ध्यान में रखकर नए साल के जश्न के सिलसिले में हमने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये विशेषज्ञों के साथ एक बैठक की थी।

उनकी सिफारिश पर सरकार ने शहर में एवं राज्य के अन्य सार्वजनिक स्थानों पर समागमों (बड़े कार्यक्रमों) पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है। हम खुली जगहों पर समागम पर रोक लगा रहे हैं। यह 30 दिसंबर से दो जनवरी तक पूरे राज्य में प्रभाव में रहेगा। क्लबों और रेस्त्रां को 50 फीसद क्षमता तक के साथ चलने की अनुमति होगी, लेकिन पार्टी या डिस्क जॉकी के आयोजन पर रोक है। अपार्टमेंट में भी पार्टी या डीजे का कार्यक्रम नहीं होगा और रेसीडेंट एसोसिएशन यह सुनिश्चित करेंगे कि नियमों का उल्लंघन न हो। राज्य में अबतक कोरोना वायरस के ओमीक्रोन के 19 मामले आ चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने तिब्बत के मुद्दों के लिए अजरा जिया को अपना विशेष संयोजक नियुक्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने तिब्बत के मुद्दों के लिए भारतीय मूल की राजनयिक अजरा जिया को अपना विशेष संयोजक नियुक्त किया है। उन्हें तिब्बत पर एक समझौते के लिए चीन और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच 'ठोस बातचीत' को आगे बढ़ाने का काम सौंपा गया है। अपने राजनयिक करियर में नई दिल्ली में भी तैनात रह चुकीं जिया ने 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विदेश सेवा से इस्तीफा दे दिया था। वह नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकारों की अवर सचिव भी हैं। तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष संयोजक के तौर पर जिया 2020 के तिब्बती नीति एवं सहयोग अधिनियम के अनुरूप तिब्बत के मामलों से संबंधित अमेरिकी सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समन्वय करेंगी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, मैंने तिब्बत मुद्दों के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष संयोजक के तौर पर नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार के लिए अवर सचिव अजरा जिया को नामित किया है। वह तत्काल प्रभाव से यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएंगी।' विदेश विभाग के अनुसार, 'वह तिब्बत पर एक समझौते के समर्थन में चीन सरकार और दलाई लामा, उनके प्रतिनिधियों या लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित तिब्बती नेताओं के बीच बिना पूर्व शर्तों के ठोस बातचीत को बढ़ावा देंगी।' जिया ने इस पद पर उनके नाम की पुष्टि से संबंधित सुनवाई के दौरान सांसदों को बताया था कि उनके दादा भारत में स्वतंत्रता सेनानी थे।

कानूनों के अंतर्गत 'राष्ट्र विरोधी' शब्द को परिभाषित नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी।केंद्र की मोदी सरकार ने लोकसभा में कहा कि कानूनों के अंतर्गत 'राष्ट्र विरोधी' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन आपातकाल के दौरान सबसे पहले 1976 में संविधान में इन्हें शामिल किया गया और फिर एक साल बाद हटा भी दिया गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने असदुद्दीन ओवैसी के प्रश्न के लिखित उत्तर में इसकी जानकारी दी। ओवैसी ने सवाल किया था कि क्या सुप्रीम कोर्ट ने ह्यराष्ट्र विरोधी गतिविधियों से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए कोई दिशानिर्देश तय किए हैं? राय ने कहा, कानूनों के अंतर्गत 'राष्ट्र विरोधी' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान (42वां संशोधन) अधनियम, 1976 के तहत इसका उल्लेख किया गया था और आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 31 डी के तहत 'राष्ट्र विरोधी गतिविधि' को परिभाषित किया गया। इसके बाद संविधान (43वां संशोधन) अधिनियम, 1977 के तहत अनुच्छेद 31डी को हटा दिया गया।

जापान में मंगलवार को तीन आरोपियों को फांसी पर चढ़ाया गया

टोक्यो, एजेंसी। जापान में मंगलवार को तीन व्यक्तियों को फांसी पर चढ़ाया गया।देश में मृत्युदंड के विरूद्ध मानवाधिकार संगठनों द्वारा उठ रही आवाज के बीच पिछले दो सालों में पहली बार फांसी दी गई है। इन तीनों में एक यासुटाका फजिशिरो को 2004 में सात लोगों की हत्या करने एवं उनके घर में आग लगाने का दोषी पाया गया था, जबकि दो अन्य तोमोआकी ताकनेजावा एवं मित्सूनोरी ओनोगावा को 2003 में पिनबॉल पार्लर (जहां बॉल का एक खेल होता है) के दो कर्मियों की हत्या का कसूरवार पाया गया। जापान के उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में सुबह इन तीनों को फांसी पर चढ़ाया गया। उन्हें सुबह तक फांसी पर चढ़ाये जाने की जानकारी नहीं दी गई थी। सन 2007 से जापान फांसी पर चढ़ाये जाने वालों तथा उनके अपराधों के बारे में कुछ जानकारियां देने लगा है लेकिन वह सूचना अब भी सीमित होती है। न्याय मंत्री योशिहिसा फुरूकावा ने कहा कि तीनों ने बहुत ही 'घृणित अपराध' किया था और यह सजा उपयुक्त थी।

काबुल में सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन कर संपत्ति को जारी करने की मांग की

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सैकड़ों लोगों ने बंद पड़े अमेरिकी दूतावास की ओर कूच कर देश की प्रतिबंधित की गई संपत्ति को जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर थे जिन पर लिखा, हमें खाने दें और रोक दिया हमारा धन हमें दें। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे, तालिबान ने उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रखी थी।अगस्त में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता निलंबित कर दी गई थी और विदेश खासकर अमेरिका ने अरबों डॉलर की संपत्ति पर रोक लगा दी थी। पहले से मुश्किल स्थिति का सामना कर रही अफगान अर्थव्यवस्था अनुदान रुक जाने से बुरी तरह तबाह हो गई है और सहायता संगठनों ने देश में भारी मानवीय त्रासदी उत्पन्न होने की चेतावनी दी है। डॉक्टरों, अध्यापकों, प्रशासनिक नौकरशाहों सहित सरकारी कर्मियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। इस बीच, बैंकों ने इस बात की सीमा तय कर दी है कि खाताधारक कितना पैसा निकाल सकते हैं। किसी भी देश ने अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों को उनके पुराने रिकॉर्ड के चलते आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है।

दक्षेस महासचिव रुवान वीराकून आज से पाकिस्तान के दौरे पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। दक्षेस महासचिव एसाला रुवान वीराकून बुधवार को पाकिस्तान का दौरा करने वाले है। इस दौरान वह प्रधानमंत्री इमरान खान, विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करने वाले है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। मार्च 2020 में पदभार ग्रहण करने के बाद से महासचिव की यह पहली पाकिस्तान यात्रा है। विदेश कार्यालय ने कहा कि वीराकून 22 से 25 दिसंबर तक पाकिस्तान के दौरे पर रहकर प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री और अन्य उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करने वाले हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा, यह यात्रा दक्षेस के उद्देश्यों और सिद्धांतों के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराने, दक्षेस के साथ सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर हमारे दृष्टिकोण को साझा करने और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान के प्रयासों को रेखांकित करने का एक अवसर है।' दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) एक क्षेत्रीय समूह है, जिसमें भारत, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, मालदीव, अफगानिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।दक्षेस 2016 से बहुत प्रभावी नहीं रहा है, क्योंकि 2014 में काठमांडू में हुए सम्मेलन के बाद से इसका द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है।

वर्ष 2016 का दक्षेस शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में होना था, लेकिन उसी साल 18 सितंबर को उरी में भारतीय सेना के शिविर पर हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की थी। इसके बाद बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान ने भी इस्लामाबाद में बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया था, इसकारण शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया गया था। श्रीलंकाई राजनयिक वीराकून ने पिछले साल मार्च में दक्षेस महासचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया था। वह दक्षेस के 14वें महासचिव हैं।

चलती कार की फ्रंट सीट पर हुई महिला की सफल डिलीवरी, ऑटो पायलट मोड में थी टेस्ला

वाशिंगटन, एजेंसी। चलती कार की फ्रंट सीट पर महिला ने अपने बच्चे को जन्म दिया। यह अनोखा और हैरतअंगेज मामला अमेरिका से सामने आया है। यह सब तब हुआ जब महिला टेस्ला कार में थी और उसे लेबर पेन शुरू हो गया। इसके बाद महिला के पति ने कार को ऑटोपायलट मोड में लगा दिया और उसकी डिलीवरी चलती कार में हो गई।

यह घटना इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि इसे दुनिया में इस तरह का पहला मामला बताया जा रहा है। दरअसल, यह घटना अमेरिका के फिलाडेल्फिया की है। महिला की डिलिवरी चलती हुई टेस्ला कार में हुई है और महिला ने टेस्ला कार की अगली सीट पर एक बच्ची को जन्म दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिलाडेल्फिया की रहने वाली महिला का नाम यिरान है। महिला अपने पति कीटिंग के साथ अपने तीन साल के बेटे को स्कूल छोड़ने जा रही थी।इसी दौरान कार की अगली सीट पर बैठी महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई।

इसके बाद महिला के पति ने कार को अस्पताल की तरफ मोड़ दिया। अस्पताल के रास्ते में बहुत ज्यादा ट्रैफिक था जिसके कारण उन्हें अस्पताल पहुंचने में देर हो गई। इस बीच पति ने कार को ऑटोपायलट मोड पर रखा और अपनी पत्नी की सहायता करने लगे। बताया जा रहा है कि कपल को घर से अस्पताल तक ड्राइव करने में आधे घंटे का समय लग गया लेकिन इसी बीच महिला ने कार के अंदर ही बेटी को जन्म दे दिया है। चलती कार में पैदा हुई बेटी को लेकर वे अस्पताल में पहुंचे। जैसे ही अस्पताल स्टाफ को इस बारे में पता चला, वे हैरान रह गए। चलती कार में जन्मी इस बच्ची को अस्पताल में मौजूद नर्सों ने टेस्ला बेबी नाम दिया। साथ ही बच्ची को कार में जन्म देने वाली महिला की भी एक अलग पहचान बन गई।

बताया जाता है कि यह आधिकारिक रूप से दुनिया की पहली टेस्ला बेबी है, जिसका जन्म इस तरह से ऑटोपायलट मॉड में चल रही टेस्ला कार में हुआ है। फिलहाल नवजात बच्ची और उसकी मां की तबीयत ठीक है। टेस्ला की कारें अक्सर ऑटोपायलट मोड की वजह से खबरों में छाई रहती है। जहां कुछ लोग इसकी तारीफ करते हैं, वहीं ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो टेस्ला की कारों में इस्तेमाल की गई तकनीक से सहमत नहीं हैं।

तालिबान ने गलती से दूतावास के खाते में ट्रांसफर की बड़ी रकम, ताजकिस्तान ने लौटाने से किया इनकार

काबुल, एजेंसी। कंगाली में आटा गीला होना कहावत तो आपने सुनी ही होगी। दरअसल, तालिबान ने गलती से ताजिकिस्तान स्थित अपने दूतावास के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए, लेकिन अब ताजिकिस्तान इस पैसे को वापस लौटाने से इनकार कर रहा है। ताजकिस्तान तालिबान का धुर आलोचक माना जाता है।

तालिबान ने करीब 8 लाख डॉलर (6 करोड़ रुपए से ज्यादा) ताजिकिस्तान में अफगानी दूतावास के अकाउंट में भेज दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पैसे अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की सरकार द्वारा ट्रांसफर किए जाने थे।इस पैसे का इस्तेमाल ताजिकिस्तान में शरणार्थी बच्चों के लिए एक स्कूल के वित्तपोषण के लिए किया जाना था। हालांकि, जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया और गनी देश से भाग गए तो, यह सौदा विफल हो गया।

कुछ हफ्तों बाद, सितंबर में पैसे ट्रांसफर किए गए, लेकिन कुछ खबरों के मुताबिक, 4 लाख डॉलर के आसपास ही पैसे दिए है। उस समय तालिबान की ओर से भी इसपर कुछ नहीं कहा गया।हालांकि, नवंबर आते-आते अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और तब तालिबान ने ताजिकिस्तान की सरकार से संपर्क करके इसे वापस देने को कहा, तो ताजिकिस्तान के अधिकारियों ने यह मानने से साफ मना कर दिया। ताजिकिस्तान का कहना है कि उसने स्कूल तो नहीं बनवाया लेकिन चार महीने से शिक्षक और दूतावास के कर्मचारी इसी फंड से अपना वेतन ले रहे हैं। सारा पैसा दूतावास और अफगानिस्तान के नागरिकों की जरूरत पर खर्च किया जा रहा है। ताजिकिस्तान सरकार आधिकारिक तौर पर तालिबान को आतंकी संगठनों में गिनती है, इसलिए अब यह पैसे वापस करना लगभग असंभव माना जा रहा है।

पाकिस्तान: हिंदू मंदिर में एक व्यक्ति ने हथौड़े से वार कर मूर्ति को किया क्षतिग्रस्त

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और उनके मंदिरों को नुकसान करने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है।यहां एक बार फिर मंदिर में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। सोमवार को कराची में एक शख्स ने मंदिर में प्रवेश कर मूर्ति को नुकसान पहुंचाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस घटना की निंदा की है। इससे पहले अक्टूबर में भी इसी तरह की घटना सामने आई थी। उस दौरान अज्ञात चोरों ने सिंध प्रांत में एक मंदिर को अपवित्र किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कराची के रंछोड़ लाइन इलाके में एक शख्स ने शाम को मंदिर में प्रवेश कर तोड़फोड़ की। इस दौरान उसने जोग माया की मूर्ति को हथौड़े का इस्तेमाल कर नुकसान पहुंचाया। हालांकि, जनता ने आरोपी को पकड़कर स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि आरोपी के खिलाफ ईशनिंदा से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा नेता सिरसा ने इस घटना का आरोप सरकार पर लगाया है। उन्होंने ट्वीट किया, 'कराची पाकिस्तान में एक और हिंदू मंदिर को अपवित्र किया गया। हमलावरों ने इस तोड़फोड़ को यह कहते हुए सही ठहराया कि 'ये इबादत के लायक नहीं है।' यह पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार समर्थित आतंकवाद है।' एक अन्य ट्वीट में उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मामले को विश्व स्तर पर उठाने की अपील की है। अक्टूबर में हुई घटना में अज्ञात चोरों ने सिंध प्रांत स्थित हनुमान देवी माता मंदिर को अपवित्र किया था। वे हजारों रुपये नगद और जेवर लेकर भाग गए थे।एजेंसी के अनुसार, हाल के सालों में पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की पूजा स्थलों पर हमले बढ़ गए हैं।

इटली के प्रधानमंत्री मैरियो ड्रेगी ने नये जर्मन चांसलर ओलाफ स्कॉल्ज से मुलाकात की।

इस्लामी कानून के मुताबिक तुर्की के राष्ट्रपति ब्याज दर न बढ़ाने दिया बयान, 'लीरा' औधें मुंह गिरी

अंकारा, एजेंसी। इस्लामिक राष्ट्र तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन के ताजा बयान से तुर्की की करेंसी लीरा में गिरावट दर्ज की गई। दरअसल तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन ने कहा कि इस्लाम में कम ब्याज लेने या फिर ब्याज ना लेने की बात कही गई है, इसलिए वह ब्याज दरों को नहीं बढ़ाएंगे। एर्दोआन के इस बयान के बाद तुर्की की नेशनल करेंसी लीरा में डॉलर के मुकाबले लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। अपने संबोधन के दौरान एर्दोआन ने कहा, 'लोगों को इस बात की शिकायत रहती है कि हम ब्याज दरों में कटौती करते रहते हैं। आप इसके अलावा मुझसे किसी तरह की उम्मीद भी मत रखिए। मैं एक मुसलमान हूं, इसलिए मैं इस्लाम की शिक्षा के तहत ही काम करता रहूंगा।'

आपको बता दें कि लीरा में लगातार पांच दिनों से गिरावट दर्ज की रही है। सोमवार को एशियाई कारोबार में लीरा में 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसकी वैल्यू 17.624 प्रति डॉलर तक पहुंच गई। बीते तीन महीनों में लीरा ने अपनी आधी वैल्यू खो दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि इन तीन महीनों में दुनिया के किसी भी देश की करेंसी में ऐसी भारी गिरावट दर्ज नहीं की गई है।

ऐसा नहीं है कि एर्दोआन ने पहली बार तुर्की के बिगड़ते आर्थिक हालात के लिए इस्लाम का सहारा लिया है। इससे पहले भी एर्दोआन कह चुके हैं कि इस्लाम मुस्लिमों को उधार के पैसे पर ब्याज लेने से मना करता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि कुछ देशों द्वारा तुर्की पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से लीरा के मूल्य में गिरावट आ रही है।उन्होंने यह भी साफ कर दिया था कि तुर्की अपनी आर्थिक नीतियों में बदलाव नहीं करेगा। गौरतलब है कि एर्दोआन की नीतियों के चलते बीते इस साल लीरा का मूल्य डॉलर के मुकाबले 57 प्रतिशत तक गिरा है।

सीआईआई ने कहा श्रीलंकाई नागरिक की हत्या करने वालों के खिलाफ कठोर एक्शन हो

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी शीर्ष धार्मिक निकाय ने कहा कि कानून को हाथ में लेना कुरान, शरीयत की शिक्षाओं और संविधान के खिलाफ है। निकाय ने श्रीलंकाई नागरिक की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोषियों को कानून के हवाले करने की मांग करते हुए यह बात कही।इस महीने की शुरूआत में बेहद चौंकाने वाली घटना में, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों ने ईशनिंदा के आरोप पर कारखाने में काम करने वाले महाप्रबंधक प्रियंता कुमार दियावदाना की पीट-पीटकर हत्या कर उसकी लाश को आग लगा दी थी। मामले में 900 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। कुल 150 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पंजाब पुलिस ने अब तक 54 मुख्य संदिग्धों की फॉरेंसिक जांच कराई है।

ह्यकाउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआईआई) ने कहा कि देश के सामने एक गंभीर मुद्दा कानूनों को लागू करना है।वहीं सियालकोट जैसी घटना को फिर से होने से रोकने के लिए न्यायिक प्रणाली में सुधार की जरूरत है।इसमें कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेता है,तब देश को उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। खबर के अनुसार, सीआईआई ने सियालकोट लिंचिंग पर विचार-मंथन सत्र आयोजित किया। जिला पुलिस अधिकारी उमर सईद मलिक ने मामले में की गई कार्रवाई से निकाय को अवगत कराया। सीआईआई के अध्यक्ष डॉ किबला अय्याज ने कहा,ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून की जरूरत है। सियालकोट त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि सत्र का उद्देश्य त्रासदी के कारणों को निर्धारित करना और समझना था। अय्याज ने कहा,हम सभी समझते हैं कि व्यवस्था में सभी कमियों के बावजूद, हिंसा की बढ़ती घटनाओं को समाप्त करना देश के साथ-साथ नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। सीआईआई के एक सदस्य अल्लामा ताहिर अशरफी ने कहा कि यह स्पष्ट है कि सियालकोट जैसी एक और घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कन्वेंशन सेंटर के लिए चयनित भूमि का किया निरीक्षण

» संवाददाता

बेतिया। वाल्मीकिनगर में बनने वाले कन्वेंशन सेंटर के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान किया।बताते चलें कि कन्वेसन सेंटर के लिए लगभग 25 एकड़ भूमि जो जलसाधन विभाग की है को चयनित किया गया है।इस कॉन्वेंसन सेंटर का नाम वाल्मीकि सभागार रखा गया है।1.30 करोड़ की लागत से बनने वाला इस हाल में 102 कमरे होंगे।जिसका मास्टर प्लान तैयार किया जा चुका है।इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि इस हॉल का फायदा पर्यटन के लिए आए पर्यटक के लिए भी होगा।

हस्तकला प्रदर्शनी भी लोगों को लुभाया

सीएम के कैबिनेट बैठक भवन के ठीक सामने हस्तकला प्रदर्शनी में लगे हांथ से बने वस्तु पेंटिंग सहित कई प्रकार के फैंसिग वस्तुएं आदि लोगों को खूब लुभाया। साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने भी इन्हे खूब सराहा।इस प्रदर्शनी में चनपटिया स्टार्टअप जॉन में बने चप्पल, गरम कपड़ा जैसे जैकेट, चीटर,स्वेटर,साल, बच्चों के लिए चॉकलेट वही जीविका दीदियों बगहा 2 तथा गौनाहा के द्वारा बनाए गए भिभिन्न प्रकार के वस्तुएं काफी सराहनीय थी।दूसरी तरफ भितहा में बने केले के रेशे से तैयार की गई कई प्रकार वस्तु जैसे टोपी,बैग सहित कई चीजें बहुत हीं आकर्षण का केंद्र रहा। बगहा में बने ज्वैलरी बॉक्स भी अपनी सुन्दरता से लोगों को लुभा रहा था। बगहा और भितहा सहित बेतिया से आए प्रदर्शनी लगाने बालों ने सरकार से गुहार लगाई है की हमे भी चनपटिया की तरह सहायता प्राप्त हो ताकि हम लोग भी अपने कारोबार को आगे बढ़ा सकें।

वन विभाग का लगा प्रदर्शनी

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वन प्रशासन के द्वारा प्रदर्शनी दीर्घा में प्रदर्शनी लगाया गया था।जिसमें जंगल सफारी सहित वन्य जीवों और वन संपदा के बारे में लोगों को जानकारी दी गई।

मृत त्रिवेणी कैनाल में नौका बिहार का सीएम ने किया उदघाटन

वाल्मीकिनगर में स्थित मृत त्रिवेणी कैनाल का जीणोर्धार कर पर्यटकों के लिए नौकाबिहार का व्यवस्था किए गया है।जिसका उदघाटन सूबे के मुखिया नीतीश कुमार ने मंगलवार को फीता काट व नौकाबिहार कर किया।बताते चलें कि लगभग डेढ़ किलोमीटर में फैले मृत त्रिवेणी कैनाल जो नौकायन के व्यवस्थित किया गया है में नौका बिहार कर मुख्यमंत्री ने नौकायन का लुफ्त उठाया।इस बाबत मुख्यमंत्री ने बताया कि अति शीघ्र इसे प्रायटकों के लिए उपलब्ध करा दिया जायेगा।संबंधित विभाग को आदेश दे दिया गया है की नौकायन के लिए मूल्य निर्धारण कर अति शीघ्र पर्यटकों के लिए शुरू किया जाए।

वाल्मीकिनगर में आयोजित हो रही नीतीश कैबिनेट की बैठक खत्म

बगहा को फिर गया छला नहीं मिला राजस्व जिला का दर्जा

» संवाददाता

बेतिया। वाल्मीकिनगर में आयोजित हो रही नीतीश कैबिनेट की बैठक खत्म हो गई है। नीतीश कैबिनेट ने आज कुल 13 एजेंटों पर मुहर लगाई है। वाल्मीकिनगर में आयोजित कैबिनेट की बैठक को लेकर उम्मीद जताई जा रही थी कि बगहा को जिले का दर्जा मिल जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। एक बार फिर नीतीश सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है वाल्मीकिनगर में आयोजित कैबिनेट की बैठक के बीच उम्मीद जताई जा रही थी कि चंपारण के इलाके को नीतीश कैबिनेट कोई सौगात दे सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। सरकार ने अब पटना में बापू टावर के निर्माण और ऑडियो विजुअल सिस्टम की योजना के लिए 44 करोड़ 86 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इसके अलावा शिक्षा विभाग के तहत माध्यमिक विद्यालयों को भवन मुहैया कराने के लिए पंचायत स्तर पर पहले चरण में कुल 677 उच्च माध्यमिक स्कूलों को उत्क्रमित करने का फैसला सरकार ने लिया है।नीतीश कैबिनेट ने बिहार नगरपालिका नगर योजना यानी टाउन प्लैनिंग नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। साथ ही साथ पटना के दीघा घाट के पास स्थित भारतीय खाद्य निगम के रीजनल ऑफिस के निर्माण के लिए प्रावधानों में बदलाव को भी मंजूरी दी गई है। सरकार ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत केंद्रों के अलावा राज्य सरकार के योगदान के तौर पर16 करोड़ 30 लाख 60 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति दी है।उद्योग विभाग के तहत भोजपुर जिले में एथेनॉल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। सरकार ने बिहार राज्य वक्फ विकास योजना अंतर्गत अंजुमन इस्लामिया हॉल के पुनर्निर्माण के लिए 50 करोड़ 64 लाख 36 हजार की प्रशासनिक मंजूरी दी है।

एक नजर

पूर्वी निगम इवार्स के साथ मिलकर डेंगू पर कसेंगी शिकंजा

नई दिल्ली। डेंगू पर रोकथाम के लिए जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और भारत सरकार के सहयोग से डब्ल्यूएचओ द्वारा एतिहातन तौर पर एक प्रारंभिक चेतावनी और प्रतिक्रिया प्रणाली इवार्स पर एक पायलट परियोजना शुरू की जा रही है जिसमें पूर्वी दिल्ली नगर निगम सक्रिय रूप से शामिल होगा और डेंगू फैलने के स्थितियों के पूर्वानुमान के लिए डेंगू से संबंधित अपेक्षित डाटा सांझा करेगा। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के निगमायुक्त विकास आनंद ने बताया कि अर्ली वारनिंग एंड रिस्पॉन्स सिस्टम इवार्स के तहत पूर्वी दिल्ली के दोनो जोनो शाहदरा उत्तरी और दक्षिणी जोन को शामिल किया गया है जिसमें पूर्वी निगम पिछले 5 सालों का साप्ताहिक डाटा देगा। निगमायुक्त ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग द्वारा मौसम जैसे वर्षा, आर्द्रता और तापमान आदि मौसम संबंधी आंकड़े प्रदान किए जाएंगे जिससे यह डेंगू फैलने के लिए उत्तरदायी स्थितियों का पता लगाकर डेंगू के संभावित प्रकोप के बारे में पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक पूर्व-चेतावनी प्रणाली है और जिसका प्रयोग जिससे क्षेत्र में आगामी डेंगू के प्रकोप की भविष्यवाणी करने के लिए संभावित रूप से किया जा सकता है जिससे समय रहते डेंगू बचाव के लिए तैयारियां की जा सकेगी और स्थानीय लोगों को डेंगू के प्रकोप से बचाया जा सकेगा।

दिल्ली में 550 पार पहुंचे कोरोना के एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना से संक्रमण तक बढ़ने के साथ एक्टिव केस तेजी से बढ़ रहे हैं। मंगलवार को यह आंकड़ा बढ़ कर 550 पार हो गया। वहीं एक मरीज ने कोरोना के कारण दम भी तोड़ दिया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मंगलवार को कोरोना के 102 नए मामले सामने आए। वहीं 75 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि एक मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1442390 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं इनमें से 1416731 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 25102 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.74 फीसद है। विभाग के अनुसार दिल्ली में बढ़ रहे कोरोना के मामलों के साथ एक्टिव केस बढ़कर 557 हो गए हैं। इनमें से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 193 मरीज और होम आइसोलेशन में 262 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए सोमवार को 51544 टेस्ट हुए। इनमें से 0.20 फीसद लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। इन जांच के लिए आरटीपीसीआर से 45429 और रैपिड एंटीजन से 6115 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 32101668 टेस्ट हो चुके हैं। विभाग के अनुसार दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 173 हो गई है।

बाबा साहब के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाएं विद्यार्थी: सिसोदिया

● अब पांच कैंपस वाली यूनिवर्सिटी बन जाएगी अम्बेडकर यूनिवर्सिटी

'देश के मेंटर' कार्यक्रम में शामिल होकर दिल्ली के बच्चों की करें मदद

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली और देश के युवाओं के साथ मिलकर 'देश के मेंटर' कार्यक्रम की शुरुआत की है। जहां युवा अपना थोड़ा समय निकाल कर सरकारी स्कूलों में 11वीं व 12वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चों को उनके एजुकेशन को लेकर गाइडेंस देने और हैण्ड-होल्डिंग करने का काम करते हैं। इस प्रोग्राम से अब तक लगभग 32 हजार युवा मेंटर के रूप में बच्चों की मेंटरिंग कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें केवल एक ऐसे बड़े भाई-बहन की जरुरत है, जो जिन्दगी में आगे बढ़ने, उच्च शिक्षा या करियर को चुनने में उन्हें गाइड कर उनकी मदद कर सकें।

अम्बेडकर यूनिवर्सिटी को जल्द मिलेंगे दो और कैंपस

अम्बेडकर यूनिवर्सिटी का चौथा कैंपस धीरपुर में 49 एकड़ में तैयार हो रहा है। यहां 5,000 नए विद्यार्थी एडमिशन ले पाएंगे। इस कैंपस में कुल 270 फैकल्टी मेंबर और 273 स्टाफ मेंबर के साथ 7 स्कूल और 9 सेंटर होंगे। साथ ही, रोहिणी में विश्वविद्यालय का पांचवा कैंपस तैयार किया जा रहा है, जहां विभिन्न कोर्स में 3,475 सीटें होंगी। दोनों कैंपस का डिजाइन विश्व स्तरीय होगा और यहां एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबलिटी का भी खास ध्यान रखा जाएगा। उर्जा के मामले में दोनों कैंपस आत्मनिर्भर होंगे और ग्रीन-एनर्जी का इस्तेमाल करेंगे।

■ नई दिल्ली

बाबा साहब का नाम भारत में जहां भी लिया जाता है, समानता और सामाजिक न्याय वहां के वातावरण में शामिल हो जाता है। इसलिए अम्बेडकर विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करके निकले हर एक विद्यार्थी की यह जिम्मेदारी बनती है कि वो यहां से प्राप्त अपने ज्ञान और कौशल का इस्तेमाल समाज में समानता और सामाजिक न्याय लाने के लिए भी करे और दुनिया भर में सामाजिक न्याय और समानता के ब्रांड एम्बेसडर बने। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को अम्बेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। दीक्षांत समारोह में 438 ग्रेजुएट, 558 पोस्ट ग्रेजुएट, 29 एम.फिल., 12 पोस्ट ग्रेजुएट और 5 पीएचडी विद्यार्थियों को उनकी डिग्री दी गई। इनमें 657 छात्राएं शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जब भी अपने सर्टिफिकेट पर बाबा साहब का नाम पढ़ें, तो गर्व महसूस करें। सिसोदिया ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू किए गए 'देश के मेंटर' प्रोग्राम में शामिल होकर दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की मेंटरिंग और गाइडेंस करें। अम्बेडकर यूनिवर्सिटी में शिक्षा की क्वालिटी निखरने के साथ-साथ क्वांटिटी भी बढ़ी है और हर साल यहां से हजारों की संख्या में विद्यार्थी अपनी डिग्री पूरी कर रहे हैं। इसलिए जल्द ही विश्वविद्यालय में दो नए कैंपस जोड़े जाएंगे, ताकि और भी बच्चे दाखिला ले सकें।

सरकार से पैसा मिलने के बावजूद एमसीडी नहीं दे रही अध्यापकों को तनख्वाह: आप

▶▶ वित्त वर्ष 2021-22 में निगम निगम को दिए गए एमसीडी को 2,588 करोड़ रुपए

■ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने एमसीडी को सारा पैसा दे दिया है। इसके बावजूद भाजपा की एमसीडी ने अध्यापकों को तनख्वाह नहीं दी है। केजरीवाल सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 में अब तक तीन किस्तों में एमसीडी को 2,588 करोड़ रुपए दिए हैं। इस वित्त वर्ष की चौथी व आखिरी किस्त भी जनवरी में जारी कर देगी। उधर, 4 महीनों से तनख्वाह नहीं दिए जाने के कारण करीब 3 हजार शिक्षक पूर्वी दिल्ली नगर निगम मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। भाजपा के नेता भ्रष्टाचार कर अध्यापकों की तनख्वाह के पैसे को खा गए हैं और अध्यापकों को तनख्वाह नहीं दे रहे हैं। यह कहना है आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक का। मंगलवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने हर साल एमसीडी को उसके हिस्से का पैसा देने के साथ-साथ 6,889 करोड़ रुपए का लोन भी दिया है, फिर भी भाजपा की एमसीडी अध्यापकों को तनख्वाह नहीं दे रही है। पाठक ने कहा कि एमसीडी ने 2500 करोड़ का रेंट घोटाला किया है। इसके अलावा 1800 करोड़ का हाउस टैक्स घोटाला किया है। दिल्ली सरकार एमसीडी को इस वित्त वर्ष 2021-22 में 3488 करोड़ रुपए देगी।

सरकार अबतक इसकी 75 फीसद राशि 3 किस्तों में दे चुकी है। इसके अलावा बाकी की 25 फीसदी राशि जनवरी में दी जानी है। इसके बावजूद भाजपा की एमसीडी के नेता अध्यापकों की तनख्वाह को लेकर बहाने बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एमसीडी की 13 पार्किंग प्राइवेट माफिया को औने-पौने दामों पर बेच चुकी है। साथ ही उनका करोड़ों का हाउस टैक्स भी माफ कर दिया है। इन सभी पार्किंग से हर साल हजारों करोड़ का राजस्व आ सकता था। लेकिन भाजपा ने कमीशन खाने के चक्कर में पहले तो सभी पार्किंग को औने-पौने दामों में बेचा और ऊपर से उनका हाउस टैक्स भी माफ कर दिया। दूसरी तरफ अध्यापकों की तनख्वाह कई महीनों से नहीं दे रहे हैं।

केजरीवाल मुफ्त राशन के नाम पर जनता को कर रहे हैं गुमराह: नेता प्रतिपक्ष

▶▶ सुप्रीम कोर्ट निर्देश के बाद भी गरीब जनता को दिल्ली सरकार ने नहीं दिया मुफ्त राशन

■ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के गरीबों को मुफ्त राशन देने के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया था कि जिन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें मुफ्त राशन मुहैया कराया जाए। दिल्ली सरकार ने यह राशन देने की घोषणा तो की थी लेकिन यह राशन नहीं बांटा गया। यह बात दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कही। उन्होंने कहा अब राशन बांटने की मुफ्त योजना को 31 मई तक बढ़ाने की घोषणा कर दी गई है लेकिन सरकार बताए तो सही कि राशन कहां बांटा जा रहा है। सरकार की इस झूठी घोषणा का विरोध करते हुए रोहतास नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक जितेंद्र महाजन के नेतृत्व में प्रदर्शन भी किया गया जिसमें नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी भी शामिल हुए। बिधूड़ी ने कहा कि 72 लाख से ज्यादा राशन कार्डधारकों को केंद्र सरकार द्वारा डेढ़ साल से भी ज्यादा समय से दुगुना राशन दिया जा रहा है। इन राशन कार्डधारकों को पहले चार किलो गेहूं और एक किलो चावल दिया जाता था लेकिन अब उन्हें चार किलो गेहूं और एक किलो चावल केंद्र सरकार की तरफसे अतिरिक्त मुहैया कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने ही इस योजना को 31 मार्च 2022 तक बढ़ाने की घोषणा की है। दिल्ली सरकार का केंद्र सरकार की इस योजना से कुछ लेना-देना नहीं है। दिल्ली सरकार पर राशन की दुकानों के माध्यम से सिर्फ इस राशन के वितरण की जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार को तो उन लोगों को राशन देने का निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया था जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। इन लोगों के लिए कम्युनिटी किचन और मुफ्त राशन की व्यवस्था करने के लिए कहा गया था।

गांवों के विकास पर 399 करोड़ खर्च करेगी सरकार

■ नई दिल्ली

● 291 योजनाओं को मिली मंजूरी

दिल्ली के गांवों में किए जाने वाले विकास कार्य पर केजरीवाल सरकार 399 करोड़ रुपए खर्च करेगी। मंगलवार को दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में हुई दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड की बैठक में गांवों में सड़क, नाली, जल निकाय, पार्क, खेल मैदान और सामुदायिक केंद्र समेत अन्य विकास कार्यों के लिए 291 योजनाओं को मंजूरी दी गई है। बैठक के बाद गोपाल राय ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को ग्राम विकास की परियोजनाओं को समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैठक में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के सदस्यों ने लंबित प्रस्तावों का मामला उठाया। जिसके बाद विकास मंत्री ने विभाग को ग्राम विकास से जुड़ी परियोजना की फाइलों पर समय सीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, मंत्री ने ग्राम विकास के कार्यों को करने वाली मुख्य कार्यकारी एजेंसी सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कार्य में तेजी लाई जाए। उधर, गोपाल राय ने कहा कि सरकार गांवों में सड़कों, पार्कों, नालियों और बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्रों की स्थिति में सुधार के साथ-साथ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। सरकार ने गांव में की जाने वाली विभिन्न योजनाओं पर इस साल लगभग 200 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। वहीं, मंजूर की गई इन 291 योजनाओं को भी जल्द से जल्द पूरा करने के लिए विभाग को निर्देश दिए गए हैं। सरकार इन योजनाओं को पूरा करने में करीब 399 करोड़ रुपए खर्च करेगी। राय ने कहा कि सरकार, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस का उद्घाटन

▶▶ मनी ऑपरेशन थिएटर के रूप में काम करने की क्षमता रखती है एंबुलेंस: जैन

■ नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को पूर्वी दिल्ली स्थित चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय में एक एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस का उद्घाटन किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली के सभी लोगों तक गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचने के लिए लगातार काम कर रही है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह एंबुलेंस मिनी ऑपरेशन थिएटर के रूप में काम करने की क्षमता रखती है। इसमें नवजात शिशुओं के लिए ऑपरेशन थिएटर, इनक्यूबेटर, मॉनिटर और ऑक्सीजन थेरेपी जैसी विशिष्ट सुविधाएं मौजूद हैं। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक एस.के. बग्गा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली की जनता के लिए यह एम्बुलेंस 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। दिल्ली में नवजात शिशुओं और छोटे बच्चों की समय रहते जान बचाने के लिए यह एम्बुलेंस मिनी ऑपरेशन थिएटर के रूप में काम करने की क्षमता रखती हैं। इस एम्बुलेंस में शिशु और नवजात मरीजों के लिए विशिष्ट सुविधाएं हैं। मसलन, इसमें इनक्यूबेटर, मॉनिटर और ऑक्सीजन थेरेपी समेत अन्य अत्याधुनिक सुविधा मौजूद उपलब्ध है। स्वास्थ्य मंत्री ने एम्बुलेंस को डोनेट करने वाली संस्थान 'सीड इंडिया फाउंडेशन' का भी धन्यवाद किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृव में सरकार दिल्ली के सभी लोगों तक गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचने के लिए लगातार काम कर रही है। सीड इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से मिले इस एम्बुलेंस की सौगात से पैदा होने वाले बच्चों और नवजात शिशुओं को समय रहते आत्याधुनिक चिकित्सा सहायता पहुंचने में मदद मिलेगी।

खेल प्रकोष्ट के पदाधिकारी व कार्यकर्ता कांस्टिट्यूशनल क्लब, नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री राम दास आठवले जी से संगठन के बारे विचार विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए

मोहल्ला क्लीनिक मामला: दिल्ली स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ एफआईआर की मांग

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने मोहल्ला क्लीनिक में दी गई गलत दवा से तीन बच्चों की मौत के बाद केजरीवाल सरकार द्वारा तीन डॉक्टरों को बर्खास्त करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सिर्फ तीन डॉक्टरों की बर्खास्तगी कर केजरीवाल सरकार इस संगीन मामले की लीपापोती करने पर तुली हुई है। यह सीधा-सीधा हत्या का मामला है। गुप्ता ने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग करते हुए कहा कि 24 घंटे बीतने के बाद भी कोई एफआईआर नहीं किया गया है। यह पूरी लापरवाही स्वास्थ्य विभाग की है इसलिए इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए। क्योंकि इस समय दिल्ली सरकार की स्वास्थ व्यवस्था जर्जर हो चुकी है और पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। आदेश गुप्ता ने कहा कि तीन डॉक्टरों को बर्खास्तगी तो सिर्फ लोगों के बीच सहानुभूति बटोरने का महज एक तरीका है।

जबकि इस समय चरमराती स्वास्थ व्यवस्था के स्वास्थ को ठीक करने की जरुरत है। अगर किसी मोहल्ला क्लीनिक में एक्सपायरी दवाइयां भेजी जा रही हैं तो वह स्वास्थ्य विभाग की ही लापरवाही है क्योंकि मोहल्ला क्लीनिक में बैठा डॉक्टर दवाईयों की व्यवस्था नहीं करता। जब स्वास्थ्य व्यवस्था की गलती है तो नैतिक तौर पर डॉक्टरों को बर्खास्त करने के साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को भी इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक में दरवाजों पर जंग लगे लटके ताले और वहां शराबियों के बने अड्डे को देखकर उसकी दयनीय स्थिति को आप खुद समझ सकते हैं। मोहल्ला क्लीनिक की स्थिति दिल्ली के अंदर क्या है, यह कोरोना काल में सबने देखा। ना ही वहां एक कोरोना जांच हो पाई और ना ही टीकाकरण ही हो रहा है। ऐसे में मोहल्ला क्लीनिक प्रतिदिन खुलता भी है, वहां डॉक्टर हैं भी या नहीं या फिर मुलभूत जरुरत के सामन है या नही,यह किसी को नहीं पता।

विकास | दिल्ली सरकार पर वर्ष 2016 से अब तक का प्लान मद में 1482.19 करोड़ रु,नॉन प्लान मद में 708.63 करोड़ रु बकाया

निगम के बकाया फंड पर गलत आंकड़े पेश कर रहे उपमुख्यमंत्री: महापौर

■ नई दिल्ली

महापौर मुकेश सुर्यान दिल्ली के उपमुख्यमंत्री द्वारा नगर निगमों पर बकाया फंड को लेकर लगाए गए झूठे आरोपों का खंडन किया। उन्होंने ने कहा कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री को यह शोभा नहीं देता है कि वह इस प्रकार फंड को लेकर गलत आंकड़े पेश करे और जनता से झूठ बोले, अगर नगर निगमों को दिल्ली सरकार से फंड प्राप्त हुआ होता तो उनके बैंक खाते में भी आता। सिर्फ कागजों में फंड दर्शाने से नगर निगमों को विकास कार्यों के लिए पैसा प्राप्त नहीं होता। उन्होंनें कहा कि दिल्ली सरकार की यह मंशा है कि निगम चुनावों से पहले नगर निगमों को बिलकुल निष्क्रिय बना दिया जाए। दिल्ली सरकार द्वारा लगातार ऐसे बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे है ताकि नगर निगमों की छवि को धूमिल किया जा सके। महापौर ने दिल्ली सरकार को यह चुनौती दी कि अगर उनके आरोपों में सच्चाई है तो उन्हें साबित करके दिखाए। महापौर द्वारा दिल्ली सरकार पर बकाया फंड को लेकर आंकड़े पेश किए गए। सुर्यान ने बताया कि वर्ष 2016 से अब तक दिल्ली सरकार पर दक्षिणी निगम का प्लान मद में 1482.19 करोड़ रु व नॉन प्लान मद में 708.63 करोड़ रु बकाया है। पांचवे वित्तीय आयोग की सिफारिशों के अनुसार दक्षिणी निगम को प्लान मद में इस वर्ष 2021-22 में 878.10 करोड़ रु का अनुदान मिलना था लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा सिर्फ371.36 करोड़ रु ही प्राप्त हुआ है जबकि नॉन प्लान मद में 405.28 करोड़ रु का अनुदान मिलना था और केवल 246.05 करोड़ रु ही मिला है। उन्होंनें बताया कि तीसरे वित्तीय आयोग के सिफारिशों के अनुसार वर्ष 2012 से लेकर 2016 तक 427.69 करोड़ रु बकाया है जिसे लेने के लिए कोर्ट में केस चल रहा है। महापौर ने कहा कि दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री नगर निगमों की जांच कराने की बात कर रहे है लेकिन उन्हें यह बताना होगा कि दिल्ली में कैसे इतने अवैध शराब के ठेके खुल रहे है। दिल्ली सरकार को पहले इन अवैध शराब के ठेकों की जांच करानी होगी जो बिना किसी एनओसी या उचित पॉलिसी के खुल गए है। स्थायी समिति के अध्यक्ष बीके ऑबराय ने बताया कि दिल्ली के तीनों नगर निगम इस समय विषम आर्थिक संकट से गुजर रहे है और अधिकारियों तथा कर्मचारियों को वेतन देने की स्थिति में नहीं है। फंड न होने के कारण हमारी सभी योजनाएं व विकास कार्य बाधित हो रहे है। नगर निगम स्वच्छता, कोरोना व मच्छरजनित बीमारियों के नियंत्रण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व स्कूलों को चलाने जैसे मुख्य दायित्वों को नहीं निभा पा रही है। उन्होंनें कहा कि इस स्थिति में दिल्ली सरकार हमें आर्थिक रूप से पंगु बनाना चाहती है लेकिन हम अपना बकाया फंड लेकर रहेंगे यह हमारा अधिकार है।

संपादकीय

प्रदूषण का स्थायी समाधान हो

अब तक प्रदूषण को लेकर जितनी भी कवायद हुई है, शायद वो उतनी कारगर नहीं रही है। यही वजह है कि सर्वोच्च अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण का स्थायी समाधान खोजने के लिए आम जन और विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदूषण कम करने को लेकर पहली दफा सर्वोच्च अदालत ने आयोग की ओर से उठाए गए कदमों पर संतोष जताया। अदालत का यह रुख सही भी है कि आम जनता और पर्यावरण के जानकार जितना न्यायसंगत सुझाव प्रदूषण को खत्म करने को लेकर देंगे, उतना कंक्रीट सुझाव कोई और नहीं दे सकता है। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के समय से ही जहरीली हवा इस कदर प्रभावी होती है कि किसी को कुछ नहीं सूझता है। तमाम उपायों और सख्ती के बावजूद अभी तक हम इस मोर्चे में नाकाम रहे हैं। प्रदूषण चाहे पराली जलाने से हो या वाहनों की अधिकाधिक संख्या की वजह से हो या फैक्टरी और निर्माण कार्यों के कारण हो; अभी तक स्थायी समाधान नहीं तलाशा जा सका है। कई बार तो हालात इतने दयनीय हो जाते हैं कि हर कोई बेबस नजर आने लगता है। प्राकृतिक रूप से ही प्रदूषण कम होता है, वरना गैस चेंबर में सांस लेना हर किसी की मजबूरी बनी रहती है। राहत की बात यह है कि उद्योग धंधों पर शीर्ष अदालत की लगाई रोक अब हटा ली गई है। इससे निश्चित तौर पर खाली बैठे मजदूरों को काम मिल सकेगा और अर्थव्यवस्था में गति भी आएगी। हां, स्कूल-कॉलेज कब खुलेंगे इस बारे में आज फैसला लेने की उम्मीद है। एक बात तो सच है कि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लंबी और काफी कठिन है। ठीक है कि सरकार की तरफ से इस पर लगाम लगाने के प्रयास हुए मगर वो नाकाफी साबित हुए हैं। चाहे वह ऑड़-ईवन का निर्णय रहा हो या और अन्य कई पाबंदियां; हम एक कदम चलकर दो कदम पीछे ही हुए हैं। प्रदूषण को अगर जड़ से समाप्त करना है तो सरकार के साथ-साथ जनता को भी जवाददेही के साथ आगे आना होगा। देखना होगा आयोग फरवरी में जब इस मामले की सुनवाई होगी तो किस तरह के सुझाव लेकर अदालत के सम्मुख पेश होता है। जो भी हो, मगर इतना तो तय है कि प्रदूषण से पार पाने के लिए हमें साम-दाम-दंड़-भेद की नीति अपनानी होगी।

शादी की उम्र

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र सीमा 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उम्मीद की जा रही है कि इससे संबंधित विधेयक मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान ही संसद में पेश कर दिया जाएगा। अभी लड़कियों की शादी की उम्र 18 साल और लड़कों की 21 साल निर्धारित है। न्यूनतम उम्र सीमा में बदलाव का यह फैसला जया जेटली समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। पिछले साल गठित इस समिति को यह भी देखना था कि शादी और मातृत्व की उम्र का मां और नवजात शिशु के स्वास्थ्य और विभिन्न हेल्थ इंडिकेटर्स जैसे शिशु मृत्यु दर (आईएमआर), मातृ मत्यु दर (एमएमआर), प्रजनन दर (टीएफआर), शिशु लैंगिक अनुपात (चाइल्ड सेक्स रेश्यो या सीएसआर) आदि से कैसा और कितना संबंध है। चूंकि समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि इन पहलुओं पर समिति की क्या राय बनी है, लेकिन इतना जरूर है कि उसने लड़कियों की शादी की उम्र को लड़कों के बराबर करने का सुझाव दिया है। अपने आप में यह सुझाव भी प्रगतिशील है।

आज जब हर क्षेत्र में लड़कों और लड़कियों को लेवल प्लेइंग फील्ड मुहैया कराने की कोशिश हो रही है, तब कोई कारण नहीं कि विवाह की न्यूनतम उम्र को लेकर दोनों में भेदभाव किया जाए। 18 साल की उम्र तक कॉलेज की पढ़ाई भी पूरी नहीं होती है। ऐसे में अगर लड़कों को अपनी पढ़ाई पूरी कर खुद को अच्छी नौकरी के लिए तैयार करने का मौका मिलता है तो लड़कियों को तीन साल पहले ही शादी के झंझट में डाल देने की वकालत भला कैसे की जा सकती है? फिर भी यह मामला यहीं तक सीमित नहीं है।

विभिन्न धार्मिक समुदायों के पारंपरिक रिवाजों और पर्सनल लॉ के प्रचलित प्रावधानों के परस्पर विरोधी स्वरूप इस एकरूपता में आड़े आते हैं। इसलिए समझा जाता है कि लड़कियों की वैवाहिक उम्र सीमा बढ़ाए जाने संबंधी इस विधेयक के साथ विभिन्न पर्सनल लॉ में संशोधन का भी प्रस्ताव लाया जाएगा। इसी बिंदु पर यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि ऐसे मामलों में कानून और समाज की बदलती मानसिकता के बीच का अंतर बहुत महत्वपूर्ण होता है।

कानून को समाज की बदलती सोच की अगुआई करनी चाहिए, लेकिन दोनों में ज्यादा फासला नहीं बनने देना चाहिए वरना कानून पर अमल मुश्किल हो जाता है। नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के ताजा आंकड़ों की ही बात करें तो कानूनी न्यूनतम उम्र सीमा निर्धारित रहने के बावजूद 2019 से 21 के दौरान 20 से 24 साल की 23.3 फीसदी महिलाएं ऐसी रहीं जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र में की जा चुकी थी। साफ है कि चुनौती सिर्फ कानून के प्रावधानों को बेहतर बनाना नहीं बल्कि शिक्षा और आर्थिक विकास के जरिए समाज में उन कानूनों पर अमल के हालात पैदा करना भी है।

विदेशी मीडिया

मील का पत्थर

मुक्ति युद्ध में बांग्लादेश की जीत के पचास साल हो गए, इस मील के पत्थर जैसा दूसरा कुछ नहीं। वास्तव में, यह हमारे इतिहास के सबसे उज्ज्वल क्षणों में से एक है। इस दिन हम उन तमाम बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में हमें ये क्षण उपलब्ध कराए हैं। लेकिन हमारी खुशियों के इन सबसे खूबसूरत पलों के साथ 1971 में अपनों के ऊपर पाकिस्तानी फौज के जुल्म का संताप भी नत्थी है। हम उन तमाम लोगों के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हैं, जिन्होंने भारी कष्ट भोगे।

आज जब हम अपनी स्थापना का जश्न मना रहे हैं, तब एक ऐसे भविष्य से मुखातिब हैं, जो चमकदार और उम्मीदों से भरा है। आज जहां हम खड़े हैं, वहां तक पहुंचने की राह काफी लंबी और मुश्किल रही है। बांग्लादेश के जन्म के वक्त काफी सारे लोगों ने संदेह जताया था कि युद्ध से बुरी तरह तबाह सघन आबादी वाला यह छोटा-सा मुल्क क्या कभी एक क्रियाशील, संप्रभु देश बन सकेगा? और हमें यह कहते हुए फख्र हो रहा है कि हमने ऐसे सभी शंकालुओं को पूर्णत- गलत साबित कर दिया है। बांग्लादेश की यात्रा सफलता की कहानी है। आजादी की इस स्वर्ण जयंती ने विश्व मानचित्र पर हमें एक विराट क्षमताओं वाले मुल्क के रूप में स्थापित किया है। यह विजय दिवस इसलिए और खास है कि बांग्लादेश को अल्प विकसित देशों के दर्जे से ऊपर का दर्जा मिलने जा रहा है। और वह भी तब, जब अपने वजूद में आने के बाद इसे कोविड महामारी का सामना करना पड़ा है। इस अभूतपूर्व संकट से निपटने और आर्थिक तरक्की की राह पर आगे बढ़ते रहने की हमारी क्षमता एक देश के तौर पर हमारे सामर्थ्य की साक्षी है। बहरहाल, अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हुए भी हमें अपनी चूकों और नाकामियों के गहन विश्लेषण को तत्पर रहना चाहिए, ताकि उनसे जरूरी सबक सीख सकें। हमने सामाजिक-आर्थिक कसौटियों पर अपेक्षा से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है, पर जम्हूरियत की मजबूती, सुशासन व जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में हमें अब भी काफी कुछ करने की जरूरत है।

धार्मिक जुनून या आत्मघाती कानून

उपेन्द्र राय

> कश्मीर ही नहीं, फ्रांस को धर्मनिरपेक्षता की सीख देने से लेकर अफगानिस्तान में तालिबान की प्रगति तय करने में तुर्की और पाकिस्तान की भूमिका कट्टर मित्रों वाली रही है। बेशक आतंकवाद को पालने-पोसने की इस फितरत के पीछे का मकसद इस्लामिक जगत में अपना दबदबा और रसूख कायम करना हो, लेकिन इतिहास साक्षी है कि विकास पर विनाश को तरजीह देकर धर्म का ऐसा खतरनाक गठजोड़ बनाने वाले हर देश को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है-फिर चाहे वो पाकिस्तान हो या तुर्की या फिर कोई और

तानाशाही का इतिहास कहता है कि अगर कोई व्यक्ति अपने राज्य के लिए तानाशाह बनकर स्थिति नियंत्रण में लेता है तो उस देश की तस्वीर बदल जाती है, लेकिन निजी स्वार्थ में खुद को देश से बड़ा समझने वाला तानाशाह राज्य को रसातल में पहुंचा देता है।

जैसे प्रथम विश्व युद्ध के बाद 1923 में कंगाल हुए जर्मनी की महंगाई दर 29,500 फीसद प्रतिमाह थी, लेकिन उसी वक्त के नाजी दल के नेता एडोल्फ हिटलर ने देश की सत्ता पर कब्जा किया और 'लैंडमार्क' मुद्रा की जगह 'सीक्योर मार्क' छापकर इस संकट से देश को निकाला। ठीक ऐसे ही प्रथम विश्व युद्ध के बाद 1919 में तुर्की को राष्ट्रीय आंदोलन का प्रणोता मुस्तफा कमाल पाशा के रूप में मिला और इसके बाद तुर्की इस्लामिक वर्ल्ड के सबसे प्रगतिवादी देश के तौर पर खड़ा हुआ। इसलिए मुस्तफा कमाल पाशा आज भी तुर्की में 'अता तुर्क' यानी तुर्की के पिता माने जाते हैं और हिटलर को आधुनिक जर्मनी का निर्माता माना जाता है। अब इन दोनों देशों में जर्मनी बेहतर व्यवस्था की वजह से आगे बढ़ गया, लेकिन करीब सौ साल बाद तुर्की की प्रगति धर्म के लबादे में ढांक दी गई।

दरअसल, धर्म की बेसिर-पैर की व्याख्या और निजी स्वार्थ के लिए उसे तोड़ने-मरोड़ने का जुनून अक्सर पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होता है, लेकिन पश्चिम-एशियाई देश तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन ने तो कुल्हाड़ी पर ही पैर मार दिया है। नतीजा यह हुआ है कि कभी अपने उदार लोकतंत्र और ऊंची विकास दर के कारण मुस्लिम ही नहीं बल्कि कई पश्चिमी देशों के बीच भी आधुनिक और समृद्ध अर्थव्यवस्था के मॉडल के रूप में देखा जाने वाला देश तुर्की धीरे-धीरे कंगाली की कगार की ओर बढ़ रहा है। देश की मुद्रा लीरा डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर चल रही है और मुद्रास्फीति अनियंत्रित होकर 21 फीसद से ज्यादा हो गई है। इसके कारण सस्ती ब्रेड के लिए किराना दुकानों पर लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं, दवाओं, दूध और टॉयलेट पेपर्स के दाम आसमान छू रहे हैं, गैस स्टेशनों में गैस खत्म हो गई है और कर्ज न चुका पाने के कारण किसानों ने अपनी जमीनें छोड़ दी हैं। कुल जमा बात यह कि बेरोजगारी और महंगाई से यहां के लोगों की कमर टूट गई है।

तुर्की की अर्थव्यवस्था के इस 'कायापलट' के पीछे एर्दोआन की मुस्लिम जगत का खलीफा बनने की सनक को 'कसूरवार' बताया जा रहा है। एर्दोआन इस्लाम का बड़ा नेता बनने और मुस्लिम दुनिया पर शासन करने की महत्त्वाकांक्षा रखते हैं। इसलिए, तुर्की में तमाम नियम-कायदों के साथ ही आर्थिक नीति भी शरीयत की तर्ज पर तैयार की जा रही है। दरअसल, शरिया भुगतान या ब्याज की प्राप्ति (रीबा) की अनुमति नहीं देता है। इस्लामी सिद्धांतों में, 'रीबा' या पैसा जमा करने या उधार देने से अर्जित ब्याज को अपवित्र (हराम) माना जाता है। यही कारण है कि सऊदी अरब जैसे देशों में भी राज्य समर्थित संस्थान जो ब्याज दरें देते हैं, वे काफी कम रखी जाती हैं। एर्दोआन इसके परिणामों को समझे बिना उसी मॉडल को तुर्की में दोहराना चाहते हैं। इसके कारण तुर्की में ब्याज दरों में वृद्धि और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के सबसे बुनियादी आर्थिक सिद्धांतों को ताक पर रख दिया गया है और ऐसा सुझाव देने वाले वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर को बर्खास्त कर दिया गया है। एर्दोआन की इस कवायद को कट्टरपंथी वोट बैंक को खुश कर साल 2023 में होने जा रहे चुनाव में अपनी कुर्सी बचाने की कोशिशों से जोड़ कर देखा जा रहा है। इसके लिए एर्दोआन ने उच्च ब्याज दरों के लिए 'सभी बुराई की जड़' और ब्याज, मुद्रास्फीति और विनिमय दर के लिए 'शैतान के त्रिकोण' जैसे नये शब्द भी गढ़े हैं। आधुनिक और विकसित हो रही दुनिया को यह भले ही हास्यास्पद लगे, लेकिन लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर के आकार वाली वैश्विक इस्लामिक वित्तीय

दुनिया के ज्यादातर देश अपनी आर्थिक नीतियों में अनिवार्यरूप से 'शरिया कानून' के सिद्धांतों पर काम करते हैं। जैसे 'इस्लामिक बॉन्ड' हलाल यानी शरिया के अनुसार है, क्योंकि इन्हें वो संस्थाएं जारी करती हैं जो शराब, जुआ जैसे गैर-इस्लामिक माने जाने वाले उत्पादों या आर्थिक गतिविधियों में निवेश नहीं करती हैं। इसी तरह शरिया में सट्टा व्यापार की मनाही है और संपत्ति को अक्सर कागज पर ही दिखाया जाता है।

बेशक यह इस्लामी आर्थिक सिद्धांत सातवीं शताब्दी या उससे भी पहले की अर्थव्यवस्था के लिए असरदार रहे हों, लेकिन आधुनिक दौर में इनकी प्रासंगिकता अब केवल कट्टरवाद के पोषण के रूप में ही देखी-समझी जाती है। ऐसे में तुर्की के भविष्य को समझना हो तो पाकिस्तान के वर्तमान से बेहतर कोई दूसरी मिसाल नहीं दिखती। प्रधानमंत्री पद के तीन साल के कार्यकाल में इमरान खान ने भी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 19 अरब डॉलर की चपत लगा दी है। पाकिस्तान पर 45 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है और विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक वो कर्जे में डूबे टॉप-10 देशों में शामिल है। आज हर पाकिस्तानी नागरिक औसतन 1.75 लाख रु पये के कर्ज में डूबा है। इस कर्ज को चुकाने के लिए इमरान खान ने पिछले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री निवास को किराए पर उठाने से लेकर सरकारी गाड़ियां, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की 8 भैंसें और पाकिस्तान में बहुतायत में पैदा होने वाले गधे तक बेचे हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान का मामला अब डेबिट सर्विस सस्पेंशन एनीशिएटिव के तहत आ गया है यानी उस पर इतना विदेशी कर्ज हो चुका है कि उसे अब और उधार नहीं दिया जा सकता है। पाकिस्तान के लिए 'करेला वो भी नीम चढ़ा' वाली बात ये है कि पिछले तीन साल से वो फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की उस कुख्यात ग्रे लिस्ट से भी बाहर नहीं निकल पाया है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ कार्रवाई न करके आतंकी समूहों को आर्थिक रूप से समर्थन देने वाले देशों को रखा जाता है। आर्थिक बदहाली के साथ ही आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने के मामले में तुर्की भी अब पाकिस्तान के नक्शे-कदम पर चलकर इस एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में शामिल हो गया है। लंबे समय तक तुर्की ने आतंकी वित्त पोषण के मनी लॉन्ड्रिंग मार्ग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया, लेकिन हाल के दिनों में अपनी घरेलू राजनीति से प्रेरित एर्दोआन की पाकिस्तान से करीबी बढ़ी है और जिहादी आतंकवाद पर दोनों देशों को एक ही भाषा बोलते देखा गया है।

खासकर पिछले एक दशक से तुर्की जिहादी समूहों की मौजूदगी वाले हर उस मंच में न केवल हिस्सेदार रहा है बल्कि उसका अगुवा बनने की होड़ में भी शामिल रहा है। नागोर्नो-काराबाख का किस्सा अभी ज्यादा पुराना नहीं हुआ है। भारत के लिए तुर्की में दिलचस्पी कश्मीर के कारण जुड़ती है जिस पर वो संयुक्त राष्ट्र तक में पाकिस्तान की हिमायत कर चुका है। अब ऐसी खबरें हैं कि कश्मीर को गाजा बनाने की फिराक में बैठा पाकिस्तान अपना मंसूबा पूरा करने के लिए तुर्की की तीमारदारी में लगा है। कश्मीर में जिहाद की नई बिग्रेड तैयार करने के लिए पाकिस्तान ने पीओके की अमूल्य जैव संपदा को संवर्धन के नाम पर तुर्की को सौंपकर उसकी इस क्षेत्र में एंट्री करवा दी है। कश्मीर ही नहीं, फ्रांस को धर्मनिरपेक्षता की सीख देने से लेकर अफगानिस्तान में तालिबान की प्रगति तय करने में तुर्की और पाकिस्तान की भूमिका कट्टर मित्रों वाली रही है। बेशक आतंकवाद को पालने-पोसने की इस फितरत के पीछे का मकसद इस्लामिक जगत में अपना दबदबा और रसूख कायम करना हो, लेकिन इतिहास साक्षी है कि विकास पर विनाश को तरजीह देकर धर्म का ऐसा खतरनाक गठजोड़ बनाने वाले हर देश को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी है-फिर चाहे वो पाकिस्तान हो या तुर्की या फिर कोई और।

शादी की उम्र

विश्व-गुरु भारत

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तय किया है कि लड़कियों की शादी की उम्र को 18 साल से बढ़ाकर 21 साल कर दिया जाएगा। अब लड़कों के समान लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल हो जाएगी। इस फैसले का कई लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह फैसला भी कृषि-कानूनों की तरह मनमाना है। क्या सरकार ने इसके बारे में भारत की लड़कियों से भी पूछा है? किसी कांग्रेसी महिला नेता ने सवाल किया है कि जब आपने 18 साल की लड़कियों को वोट का अधिकार दिया है तो उन्हें 18 साल में शादी का अधिकार क्यों नहीं देते? कुछ लोगों ने कहा है कि यह कानून नाकाम रहेगा, जैसे शराबबंदी का कानून रहता है। इसके अलावा कुछ लोगों का तर्क यह भी है कि गांवों की गरीब और अशिक्षित लड़कियां यदि 21 साल तक अविवाहित रहेंगी, तो उन्हें बेकारी और दुराचार का सामना भी करना पड़ सकता है। इन सब तर्कों को हम एकदम निराधार नहीं कह सकते हैं लेकिन पहली बात तो यह है कि सरकार ने यह फैसला अचानक नहीं किया है। इस मुद्दे पर भलीभांति विचार करने के लिए पिछले दो साल से एक आयोग काम करता रहा है।

1929 में लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 14 साल तय की गई थी और 1978 में उसे 18 साल कर दिया गया था। भारत में तो लड़के-लड़कियों की

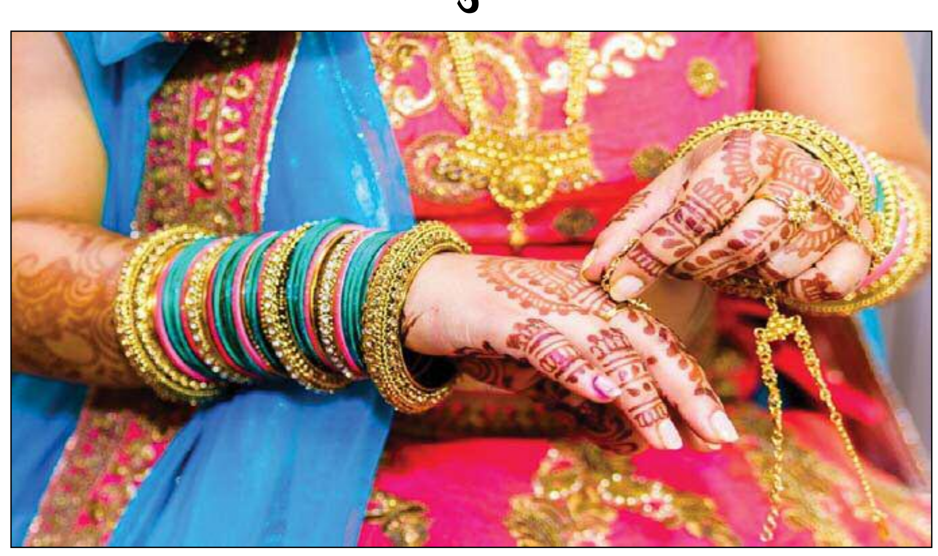

शादियां उनके गर्भ में रहते हुए ही तय हो जाया करती थीं। इस बाल-विवाह की कुप्रथा का विरोध आर्यसमाज ने जमकर किया, जिसके फलस्वरूप 1929 में शारदा एक्ट का जन्म हुआ। अब जो फैसला हुआ है, वह स्त्री-पुरुष समानता का प्रतीक है। यदि लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल है तो लड़कियों की भी वही उम्र क्यों न हो? नारियों को नरों से कमजोर क्यों समझा जाए? अभी भी देश की 23-24 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल के पहले ही हो जाती है। जब से लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ी है, देश में पैदा होनेवाले बच्चों की संख्या काफी घटी है और पैदा होते ही मरनेवाले बच्चों की संख्या भी घटी है। उनका स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। लड़कियां देर से शादी करती हैं तो उनकी शिक्षा का स्तर भी ऊँचा होता है और उनका रोजगार भी। उनका आत्म विश्वास भी ज्यादा होगा। इससे जनसंख्या पर नियंत्रण भी होगा।

भारत शायद दुनिया का एकमात्र और पहला देश होगा, जहां लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होगी। चीन में यह 20 साल है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान आदि में यह 18 साल है। रूस में 16 साल और ईरान में 13 साल है। अमेरिका के कुछ राज्यों में इससे भी कम है। वैसे भारतीय हिसाब से शादी की न्यूनतम उम्र 25 साल होनी चाहिए, क्योंकि यही ब्रह्मचर्य आश्रम का काल माना जाता है। इस तरह का कानून तभी कारगर हो सकता है, जबकि देश में सामाजिक जागृति का कोई बड़ा आंदोलन चले। भारत में यदि करोड़ों लोग इस मर्यादा का पालन करें तो उसे विश्व-गुरु बनने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

बतंगड़ बेतुक

अकड़ दबंगई जिसकी जीत उसकी

विभांशु दिव्याल

झल्लन बोला, 'तो ददाजू बताइए, आप किसान विरोधी रुख क्यों अपनाए हुए हैं, किसान आंदोलन की सफलता पर क्यों तन्नाए हुए हैं?

आपको डर नहीं लगता कि आपके साथी-संघाती आपको किसानों का दुश्मन बताएंगे, आपको सरकार तथा पूंजीपतियों का पिट्ठू बताएंगे और आपको जमकर गरियाएंगे।'

हमने कहा, 'देखा झल्लन, न हमें इसकी चिंता है कि कौन हमें क्या बताएगा, न इसकी चिंता है कि कौन हमारी प्रशस्ति गाएगा और कौन हमें गरियाएगा। रही किसान विरोधी होने की बात तो हमारे जैसा इंसान न कभी किसान विरोधी रहा है, न किसान विरोधी है और न किसान विरोधी रहेगा। हमारा विरोध तो इस कथित किसान आंदोलन की बनावट-बुनावट से है जिसे हम केवल कुछ अल्पसंख्य भूपति किसानों के हित साधन का आंदोलन मानते हैं, यह उनका आंदोलन नहीं है जिन्हें हम किसान के तौर पर पहचानते हैं। यह उन किसानों का आंदोलन था जिनके पास अधिशेष धन था, जिनका अपने क्षेत्र की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में भरपूर दखल था और साथ ही जिनके पास संगठन बल था। हमारी नजर में वास्तविक किसान वे हैं, जो गांव में रहते हैं पर गांव के संपन्न किसानों की जमीन बोते-उगाते हैं, आस-पास के शहरों में बिना टाट-टप्पर रोजी-मजूरी के लिए चले जाते हैं और जब इससे भी पूरा नहीं पड़ता तो पंजाब जैसे राज्य के बड़े किसानों के खेतों में काम करने के लिए बंधुआ बन जाते हैं।'

झल्लन बोला, 'ददाजू, आप काहे इनकी बात उठा रहे हो, काहे फालतू में अपना सर खपा रहे हो? अगर ऐसे लोग किसान होते तो किसान आंदोलन इनकी भी चिंता करता और अपने आंदोलन में इनकी समस्याएं भी सामने रखता।' हमने कहा, 'यही तो तकलीफ है झल्लन, इस देश में करीब दस-बारह करोड़ बड़े, मझोले और छोटे किसान हैं जिनके खाते में सरकार सम्मान या अपमान राशि भेज सकती है और अपनी पीठ सेंक सकती है। इनमें से केवल डेढ़ करोड़ किसान ऐसे हैं जिन्हें एमएसपी का लाभ मिलता है, बाकी का काम जैसे-तैसे चलता है। लेकिन करीब बीस करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके पास अपना कोई खेत-खलिहान नहीं है लेकिन वे अपनी आजीविका खेतिहर मजदूर बनकर चलाते हैं, दूसरों की जमीन के लिए अपनी जिंदगी लगाते हैं। यही वे लोग हैं जो फसल बोने से लेकर फसल काटने तक किसानी का काम करते हैं, किसान बनकर पैदा होते हैं और किसान रहकर ही मरते हैं। हमारे लिए ये ही असली किसान हैं जिनकी चर्चा न कोई किसान नेता करता है, न कोई सरकारी नुमाइंदा इन पर ध्यान देता है।'

झल्लन बोला, 'क्या ददाजू, आप भी कैसी बात करते हो, आप भी न जाने किस-किससे कैसी-कैसी अपेक्षाएं पालते हो। भूपति किसान इनका क्या कर सकते हैं, ज्यादा-से-ज्यादा अपने खेतों में मजदूरी दे सकते हैं सो दे रहे हैं, इसीलिए तो आपके ये बेजमीन, बेघरबार किसान अपने मालिक किसानों का साथ दे रहे हैं।' हमने कहा, 'यही तो दुख है झल्लन कि ये आंदोलन में हर कहीं हैं पर विडंबना यह है कि आंदोलन इनके साथ कहीं नहीं है।' झल्लन बोला, 'अगर मौजूदा किसान आंदोलन इनकी बात नहीं उठा रहा है तो इन्हें अपना खुद का आंदोलन चलाना चाहिए और जैसे इस आंदोलन के किसानों ने सरकार को झुकाया है वैसे ही इन्हें भी सरकार को झुकाना चाहिए।'

हमने कहा, 'कैसी मूर्खतापूर्ण बात कर रहा है झल्लन, ये किसान कैसे आंदोलन चलाएंगे, आंदोलन करने की ताकत कहां से लाएंगे? इनकी कोई एक जाति नहीं है जिसके बल पर ये चुनावी चाल चल सकें, इनका कोई एक धर्म नहीं है जिसके बल पर ये एकजुट हो सकें, इनके पास इनका कोई निजी धन नहीं है जिसके बल पर ये अपना संगठन खड़ा कर सकें और सरकार के साथ सौदेबाजी के लिए कोई दलाल-नेता समूह तैयार कर सकें। इनका जीना-मरना भले ही भूपति किसानों से जुड़ा हुआ हो लेकिन भूपति किसानों का जीना-मरना इनसे नहीं जुड़ा हुआ है। ये चार जाएंगे तो उनके पास आठ आएंगे। इन्हें न तो धनिक किसानों से स्थायी रोजगार की कोई गारंटी मिलती है और न सरकार की कोई दया राशि इन तक पहुंचती है। जिस आंदोलन की शिखर मांग इन लाचार-मजबूर किसानों की मांग नहीं है वह बदलावकारी किसान आंदोलन कैसे हो सकता है, वह तो धनपति किसानों की शक्ति और एकजुटता का प्रदर्शन है और यही हो सकता है।' झल्लन बोला, 'पर ददाजू, किसान नेता तो अपने आंदोलन को हर किसान का आंदोलन बता रहे थे, इसमें सबकी भागीदारी दिखा रहे थे, इसे जाति-मजहब से ऊपर बता रहे थे और आपके बहुत से वापपंथी साथी भी इनका साथ निभा रहे थे।'

हमने कहा, 'झल्लन, सच यह है कि जो मजदूर-मजबूर किसान इसमें शामिल हुए वे अपने मालिक किसानों के दबाव में शामिल हुए, इनके साथ खड़े हुए। इनकी जाति मालिक की जाति थी, इनका धर्म मालिक का धर्म था और इनकी राजनीति मालिक की राजनीति थी। इनकी मजबूरी इनसे वह कराती है जो मालिक करवाना चाहता है, ये उधर ही हंक जाते हैं जिधर के लिए इनका मालिक हांक लगाता है।' झल्लन बोला, 'पर ददाजू, जाति-धर्म और क्रांतिवीर..उनका क्या?' हमने कहा, 'इन पर अगली बार चर्चा करेंगे, हाल फिलहाल हम यहीं रुकेंगे।'

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

पीएम मोदी ने दी लाखों महिलाओं को बड़ी सौगात

- पांच साल पहले यूपी में था माफियाराज, योगी जी ने गुंडों को सही जगह पहुंचाया- पीएम मोदी
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रयागराज जिले का दौरा किया। प्रयागराज में एक कार्यक्रम से उन्होंने यूपी की करीब 16 लाख महिलाओं को बड़ी सौगात दी। इसके अलावा मोदी ने यहां आई लाखों महिलाओं को संबोधित भी किया।

प्रयागराज।

संगमनगरी प्रयागराज पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी की लाखों महिलाओं को बड़ी सौगात दी। मोदी ने मंगलवार को स्वयं सहायता समूहों (Self Help Groups) के बैंक खाते में 1,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इससे एसएचजी की 16 लाख से ज्यादा महिलाओं को लाभ मिलेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 1.01 लाख लाभार्थियों के खातों में 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी ट्रांसफर की जाएगी। मोदी ने परेड ग्राउंड में लाखों महिलाओं को संबोधित भी किया।

जनसभा को संबोधित कर रहे पीएम

मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष फरवरी में कुंभ में प्रयागराज की पवित्र भूमि पर आया था, तब संगम में डुबकी लगाकर अलौकिक आनंद का अनुभव प्राप्त किया। तीर्थ राज प्रयाग की ऐसी पावन भूमि को मैं हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। प्रयागराज हजारों सालों से हमारी मातृशक्ति की प्रतीक मां गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम की धरती रही है। आज ये तीर्थ नगरी नारी-शक्ति के इतने अद्भुत संगम की भी साक्षी बन रही है।

मोदी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास के लिए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो काम हुआ है, वो पूरा देश देख रहा है। अभी मुझे यहां मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की 1 लाख से ज्यादा लाभार्थी बेटियों के खातों में करोड़ो रूपये ट्रांसफर करने का सौभाग्य मिला। यूपी सरकार ने बैंक सखियों के ऊपर 75 हजार करोड़ रुपये के लेनदेन की जिम्मेदारी सौंपी हैं। 75 हजार करोड़ रुपये का कारोबार गांवों में रहने वाली मेरी बहनें-बेटियां कर रही हैं।

पहले की सरकारों का दौर वापस नहीं आने देंगी महिलाएं

मोदी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाओं ने, माताओं-बहनों-बेटियों ने ठान लिया है कि अब वो पहले की सरकारों वाला दौर, वापस नहीं आने देंगी। डबल इंजन की सरकार ने यूपी की महिलाओं को जो सुरक्षा दी है, जो सम्मान दिया है, उनकी गरिमा बढ़ाई है, वो अभूतपूर्व है। बेटियां कोख में ही ना मारी जाएं, वो जन्म लें, इसके लिए हमने %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% अभियान के माध्यम से समाज की चेतना को जगाने का प्रयास किया। आज परिणाम ये है कि देश के अनेक राज्यों में बेटियों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। मोदी ने कहा कि प्रसव के बाद भी बिना चिंता के अपने बच्चे की शुरुआती देखरेख करते हुए मां अपना काम जारी रख सके। इसके लिए महिलाओं की छुट्टी को 6 महीने किया गया है।

आज हमारी सरकार की योजनाएं, इस असमानता को भी दूर कर रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो घर दिये जा रहे हैं, वो प्राथमिकता के आधार पर महिलाओं के ही नाम से बन रहे हैं। दशकों तक ऐसी व्यवस्था रही कि घर और घर की संपत्ति को केवल पुरुषों का ही अधिकार समझा जाने लगा। घर, खेत नौकरी, दुकानों पर पुरुषों का हक होता था।

महिला स्वयं सहायता समूह की बहनें आत्मनिर्भर भारत अभियान की चैंपियन

मोदी ने कहा कि रोजगार के लिए, परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए जो योजनाएं देश चला रहा है, उसमें भी महिलाओं को बराबर का भागीदार बनाया जा रहा है। मुद्रा योजना आज गांव-गांव में, गरीब परिवारों से भी नई-नई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। दीनदयाल अंत्योदय योजना के जरिए भी देश भर में महिलाओं को स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण संगठनों से जोड़ा जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूह की बहनों को तो मैं आत्मनिर्भर भारत अभियान की चैपिंयन मानता हूं।

योगी जी ने गुंडों को सही जगह पहुंचाया

मोदी ने कहा कि बेटियां भी चाहती थीं कि उन्हें उनकी पढ़ाई लिखाई के लिए, आगे बढ़ने के लिए समय मिले, बराबर अवसर मिलें। इसलिए, बेटियों के लिए शादी की उम्र को 21 साल करने का प्रयास किया जा रहा है। आप कुछ कह नहीं सकती थीं, बोल नहीं सकती थीं। क्योंकि थाने गईं तो अपराधी, बलात्कारी की सिफारिश में किसी का फोन आ जाता था। योगी जी ने इन गुंडों को उनकी सही जगह पहुंचाया है। पांच साल पहले यूपी की सड़कों पर माफियाराज था। यूपी की सत्ता में गुंडों की हनक हुआ करती थी। इसका सबसे बड़ा भुक्तभोगी यूपी की बहन-बेटियां थीं। उन्हें सड़क पर निकलना मुश्किल हुआ करता था। स्कूल, कॉलेज जाना मुश्किल होता था।

बुधवार को नकहा में कांग्रेस प्रतिज्ञा रैली में आएंगे छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल

लखीमपुर खीरी। यूपी में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की प्रदेश भर में लगातार रैलियां निकाली जा रही हैं। इसी क्रम में लखीमपुर खीरी जनपद के विकास खंड नकहा के केवलपुरवा गांव स्थित जवाहर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मैदान में एक विशाल कांग्रेस प्रतिज्ञा रैली होने जा रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश सिंह बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम, प्रदेश महासचिव जनपद प्रभारी अभिषेक सिंह पटेल कांग्रेस कार्यकताओं को सम्बोधित करेंगे।

लखीमपुर खीरी के एक होटल में प्रदेश महासचिव जनपद प्रभारी अभिषेक सिंह पटेल, छत्तीसगढ़ से आए विनय शील, प्रदेश सचिव धर्मेंद्र चौधरी, संगठन प्रभारी सहजेंद्र दीक्षित एवं विश्व रिकॉर्डधारी यतीश शुक्ला ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी मीडिया को प्रदान की। अभिषेक सिंह पटेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश सिंह बघेल हेलीकॉप्टर द्वारा 22 दिसंबर सुबह 11 बजे पुलिस लाइन लखीमपुर स्थित हेलीपैड पर उतरेंगे, जहां से वह सड़क मार्ग से केवलपुरवा नकहा स्थित जवाहर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मैदान में दोपहर 11.30 बजे पहुंचेंगे।

छत्तीसगढ़ से आए विनय शील ने बताया कि छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना, राजीव न्याय योजना, कर्ज माफी, 2500 में धान व गेंहू खरीदी योजनाओं के माध्यम से सरकार ने एक मिसाल प्रस्तुत की है एवं कांग्रेस पार्टी इस मॉडल को हर राज्य जहां कांग्रेस की सरकार बनेगी लागू करने जा रही है।

प्रदेश सचिव धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। प्रियंका गांधी के "लड़की हूं लड़ सकती हूं" के नारे से प्रेरित होकर कार्यक्रम में बहुत सी नारी शक्ति भी भाग लेने आ रही है।

विश्व रिकॉर्डधारी यतीश शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ मॉडल देश में जनता एवं सरकार के सामंजस्य की एक अदभुत मिसाल है एवं इस कार्यक्रम के माध्यम से विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

संगठन प्रभारी सहजेंद्र दीक्षित ने बताया कि कांग्रेस पार्टी का संगठन ग्रामसभा स्तर तक पूरा हो चुका है एवं सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को इसमें आमंत्रित किया गया है।

अल्ट्रा टेक सीमेंट स्टोर का कंपनी के सेल्स हेड ने फीता काटकर किया उद्घाटन

बिजनौर। जिला मुख्यालय से सटे कस्बा झालू स्थित जे सी ट्रेडर्स पर अल्ट्राटेक सीड कंपनी द्वारा यूबीएस शोरूम का शुभारंभ किया गया। जिसका कंपनी के सेल्स हेड आशीष सोनी एवं यू बी एस हेड सुनील जोशी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया । इस मौके पर अल्ट्राटेक सीमेंट बी पी डी केमिकल एवं भवन निर्माण संबंधी जानकारी सुनील जोशी द्वारा शिल्पकार ओं को दी गई। इसके साथ ही मौजूद फिल्मकारों को कंस्ट्रक्शन किट प्रदान की गई। इस अवसर पर कंपनी के तकनीकी मैनेजर संदीप यादव, मधुर गुप्ता एवं श्रीमती सकुंज बाला अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, श्रीमती संध्या अग्रवाल, अरविंद रस्तोगी, मयंक अग्रवाल आदि मौजूद थे।

शीत लहर के दृष्टिगत जिला अधिकारी ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण

सीतापुर। शीतलहर के दृष्टिगत जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने सोमवार की रात शहर के विभिन्न स्थलों पर स्थाई एवं अस्थाई रैन बसेरों तथा अलाव की व्यवस्था का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने रोडवेज बस स्टैंड, रोडवेज चौराहा, जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय आदि स्थलों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कजियारा स्थित स्थायी शेल्टर होम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जरूरतमंदों को कम्बल भी वितरित किए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भीषण ठंड एवं शीतलहर के दृष्टिगत आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि स्थायी शेल्टर होम की सूचना रोडवेज बस स्टैंड, जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय आदि प्रमुख स्थलों पर प्रमुखता से प्रदर्शित की जाय। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि रात्रि के समय खुले मे रुके लोगों को रैन बसेरा के विषय मे अवगत कराते हुए रैन बसेरा तक ले जाने के भी प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने खुले में रुके व्यक्तियों को रैन बसेरा के निरूशुल्क प्रबन्ध के विषय में जानकारी दी तथा उन्हें रैन बसेरा मे ही रात्रि विश्राम के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे व्यक्तियों को रैन बसेरा तक भेजने हेतु तत्काल प्रबन्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। सभी व्यवस्थाओं की नियमित रूप से निगरानी किए जाने के भी निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने विभिन्न स्थलों पर बनाए गए रैन बसेरों की क्षमता में वृद्धि किए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने रैन बसेरों में रुके व्यक्तियों से व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी ली।

इंडियन रिपोर्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पहुचें बाबागंज मीडिया हाउस

बहराइच। ब्लॉक नवाबगंज(बाबागंज) क्षेत्र में एक अध्यापक द्वारा पत्रकार के साथ में की गई अभद्रता प्रकरण की दस्तक राजधानी लखनऊ तक पहुँच चुकी है पत्रकार को न्याय दिलाने हेतु सभी पत्रकार संगठन एकजुट हो गए हैं और आर पार की लड़ाई का एलान कर दिया है इंडियन रिपोर्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष ने आंदोलन की कमान संभाली है कल बाबागंज में आयोजित बैठक में सैकड़ों पत्रकारों के उपस्तिथि में प्रदेश अध्यक्ष ने आंदोलन का एलान कर दिया है आज पुनः प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली बाबागंज में स्थित न्यू मीडिया हाउस पर पहुँचे और वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आहूत बैठक में हिस्सा लिया इसी कड़ी में पीड़ित पत्रकार राजू वर्मा से प्रकरण की पूर्ण जानकारी प्राप्त की और मामले कि कार्यवाही की गई इस सम्बंध में जानकारी के लिए जनपद के बेशिक शिक्षा अधिकारी को फोन किया कई बार फोन करने के बाद भी बेशिक शिक्षा अधिकारी के फोन न उठाने पर आक्रोश जताया प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में पत्रकार के साथ अभद्रता किया जाना बहुत गंभीर विषय है जो शिक्षक गाली गलौच, धक्का मुक्की करता है वह छात्रों को किस प्रकार से शिक्षा देता होगा राष्ट्र के चौथे स्तंभ को अपमानित करने का जो काम अध्यापक ने किया है वह बहुत निन्दनीय है सुप्रीम कोर्ट की ताकीद के बाद भी सरकारी अधिकारी और कर्मचारी पत्रकारों का उत्पीड़न करने से बाज नही आ रहे हैं क्षेत्रीय खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षक पर लगाम लगाने के बजाए नेतागिरी करवा रहे हैं श्री अली ने कहा कि इस प्रकरण में कोई समझौता नहीं किया जाएगा और जब तक दोषी शिक्षक विक्रम सिंह पर कार्यवाही करने के साथ में उक्त विद्यालय से हटाया नही जाएगा पत्रकारों का आंदोलन जारी रहेगा तथा कोई भी पत्रकार पूरे जनपद के शिक्षा विभाग के समाचार को प्रकाशित नही करेगा इस बैठक में मुख्य रूप से पत्रकार जिब्राइल खान,मोहम्मद अकील,मदन, रईस अहमद,पवन कुमार ,मनोज सिंह, जमील अंसारी, धीरेंद्र शर्मा, भुवन भास्कर ,रविंद्र शर्मा, असरार अहमद, कौशलेंद्र पांडे, विनोद गिरी ,संतोष वर्मा, नीरज बरनवाल अशफाक अहमद ,छोटकऊ आदि सम्मानित पत्रकार बंधु उपस्थित रहें ।

पत्रकार अपने दायित्व व कर्तव्य को पहचान कर बखूबी अमल में लाए:-कुल भूषण शुक्ल

प्रतापगढ़। पत्रकार अपने दायित्वों व कर्तव्यों को पहचानें और उसे बखूबी अमल में लाएं। अपने देश व लोकतांत्रिक गणराज्य के चौथे स्तंभ का मान बढ़ाने वाले पत्रकारों का दायित्व है कि जन सरोकार से जुड़ी पत्रकारिता करें और भ्रामक समाचारों से बचें और ह्वाट्सअप की पत्रकारिता न करें। खबरों की बिश्वसनीयता ही होती है पत्रकार की पहचान इसको हमेशा ध्यान में रख कर ही समाचारों को प्रकाशित करें।पत्रकार एकता संघ के बैनर तले प्रयागराज मंडल, प्रतापगढ़ जनपद एवं लालगंज अझारा तहसील कार्यकारिणी की सांगठनिक वार्षिक समीक्षा बैठक के दौरान बतौर मुख्य अतिथि पत्रकार एकता संघ उत्तर-प्रदेश के प्रदेश महामंत्री कुल भूषण शुक्ल ने कहा देश के चार स्तंभों में पत्रकारिता को चौथे स्तंभ का दर्जा मिला है। प्रेस को चौथा स्तंभ इसलिए माना जाता है कि यदि अन्य तीन स्तंभ अपने कर्तव्यों से बिमुख हों तो देश का यह चौथा स्तंभ उन्हें राह दिखा सके। इसलिए चौथे स्तंभ का प्रतिनिधित्व करने वाले हर व्यक्ति का यह दायित्व है कि इसके मान-सम्मान को ठेस न लगने दें। अति बिशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव गुलाब देव जी महराज ने कहा कि पत्रकार शब्द मूलतः चार अक्षर से बना जिसका अर्थ साफ है कि खबरों का निमार्ता। बस यह ध्यान रखना चाहिए कि खबरें जनोपयोगी एवं रचनात्मक होनी चाहिए। बिशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष प्रयागराज डॉ साहित्य सिंह ने सदैव संगठन हित में तत्पर रहने का संकल्प जताया। अध्यक्षता कर रहे प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा ने बताया कि सन 2016 में संगठन की स्थापना की गई और आज देश के कोने-कोने में इसका बिस्तार हो चुका है। उन्होंने मंडल, जिला और तहसील के पदाधिकारियों की उपस्थिति पर बिशेष बल देते हुए संगठन के बिस्तार, अनुशासन, बित्त ब्यवस्था, समन्वय एवं सत्ता-शासन व समाज के साथ बेहतर सामंजस्य पर बल दिया। नगर पंचायत लालगंज अझारा के हे0न0ब0 डिग्री कालेज में आयोजित कार्यक्रम में प्रतापगढ़ जिला इकाई के अध्यक्ष जतिन कुमार चतुर्वेदी के प्रोन्नत होकर प्रदेश सचिव बनने पर रिक्त जिला अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शुभम मिश्र व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर महामंत्री रहे हरीश पाण्डेय को प्रोन्नत कर क्रमशः जहां जिला अध्यक्ष व वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई वहीं हरिहर देव पाण्डेय को महामंत्री का दायित्व सर्वसम्मति से सौंपा गया। इस मौके पर वाराणसी मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय, शिव शंकर त्रिपाठी, शिवा सिंह, अजय शंकर मिश्र, देवेन्द्र कुमार तिवारी, अजय पाण्डेय, सतीश मिश्र, शिवा सोनी, सूरज सोनी, पाण्डेय, अनिल प्रजापति अतुल शुक्ल, विकल पाण्डेय, राजेंद्र बर्मा, अंतिम सिंह, शैलेश कुमार, बिनय कुमार समेत भारी संख्या में पत्रकार बंधु व संगठन के पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे।

यूपी स्टेट कबडडी चैम्पियनशिप मे प्रतिभाग को लेकर विधायक मोना ने खिलाड़ियो का किया उत्साहवर्धन

लालगंज, प्रतापगढ़। यूपी स्टेट कबडडी चैम्पियनशिप में रामपुरखास के सांगीपुर क्षेत्र की बारह सदस्यीय टीम को अडतालिसवें यूपी स्टेट कबडडी चैम्पियनशिप सीनियर पुरूष वर्ग मे जिले के प्रतिभाग को लेकर मंगलवार को क्षेत्र मे खुशी का माहौल दिखा। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने भी कैम्प कार्यालय पर टीम के प्रतिभाग को लेकर खिलाड़ियो की पीठ थपथपाई। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने जिलास्तरीय कबडडी टीम मे शामिल खिलाडियो के राज्य प्रतियोगिता मे भाग लेने को लेकर नकद पुरस्कार देकर हौसला आफजाई भी की। वहीं सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने राष्ट्रीय कबडडी खिलाड़ी रोहित सिंह के संयोजन की सराहना भी की। सांगीपुर क्षेत्र के दलापटटी गांव मे बीती अठारह अक्टूबर को जिला कबडडी एसोशिएसन के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता मे स्थानीय खिलाड़ियो को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता मे जिले की टीम के प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सका है। आगामी पचीस दिसंबर से छब्बीस दिसंबर तक गाजीपुर में होने वाली राज्यस्तरीय इस प्रतियोगिता मे प्रतिभाग करने वाली टीम की सफलता को लेकर विधायक मोना ने जिला कबडडी एसोशिएसन के सचिव डा. धीरेन्द्र प्रताप सिंह व चेयरमैन कुंवर वीरेन्द्र प्रताप सिंह के संयोजन मे स्थानीय खिलाडियो के प्रतिभाग को क्षेत्र मे खेल जगत के लिए बडी उपलब्धि भी करार दिया।

भाकियू (कि.स.) के जिलाध्यक्ष का शुएब अंसारी के अंसारी के आवास पर स्वागत

स्योहारा । भारतीय किसान यूनियन (किसान सरकार) के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष व पूर्व सभासद मो.अय्यूब का सपा नेता व चेयरमैन पद के दावेदार शुऐब अंसारी के निवास पर मंगलवार को फूल मालाओं से लाद कर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर मौ.अय्यूब ने कहा कि संगठन ने उन्हे जो जिम्मेदारी सौंपी है। उसका निर्वाह वह पूर्ण निष्ठा व लगन से करते हुए संगठन को मजबूत बनाने का काम सदा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि है उनका मकसद है कि किसानों को सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिले। जिसके लिए वह किसी भी हद तक कुबार्नी देने से पीछे नहीं हटेंगे। इस मौके पर सपा नेता जुहैब अंसारी ने कहा कि बड़े गर्व की बात है कि किसानों से जुड़े इतने महत्वपूर्ण पद के लिए नगर के मौ. अय्यूब को चुना गया। उन्होंने कहा कि वह मौ. अयूब के कंधे से कंधा मिलाकर हर तरह से संघर्ष के लिए तैयार रहेंगे।इस मौके पर इकरामुद्दीन सभासद, मौ.आजम, यूसुफ अंसारी, सुलेमान मलिक, अदनान एड ,शाहबुद्दीन अंसारी, फिरोज अंसारी, मौ. फहद उर्फ राजा, अंसार ठेकेदार, मौ. नाजिम, मौ. जमशेद, मौ.अबरार, अकबर अंसारी, दानिश आदि मौजूद थे।

कोरांव पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कोरांव/प्रयागराज- पुलिस उप महानिरीक्षक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा अपराध एवम् अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मेजा अमिता सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी रमेश चौबे के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक अवधेश कुमार यादव व उनकी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त पंचम पुत्र कल्लू को मु0न0 5502/14 धारा 419/420/467/468/471/506 का भादवि को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

तमन्ना भाटिया

15 साल की उम्र से की अभिनय की शुरुआत

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपना जन्मदिन मना रही हैं। साउथ फिल्म में शोहरत कमाने के बाद तमन्ना ने बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। तमन्ना ना सिर्फ तमिल सिनेमा में बल्कि तेलुगु , कन्नड़ और हिंदी भाषा की फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री ने बहुत कम उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी। इस दौरान उनके जीवन में कई उतार चढ़ाव भी आए, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने साउथ की बड़ी अभिनेत्रियों में अपना नाम शामिल किया। भले ही तमन्ना की ज्यादातर फिल्में फ्लॉप रही हैं, लेकिन वह साउथ की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस एक फिल्म के लिए डेढ़ से 2 करोड़ रुपए तक चार्ज करती हैं। वहीं, बात की जाए उनकी नेट वर्थ यानी कुल संपत्ति की तो रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 15 मिलियन यानी करीब 110 करोड़ रुपये है। तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर, 1989 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता का नाम संतोष भाटिया है जो एक हीरा व्यापारी हैं, मां का नाम रजनी भाटिया है और हाउस वाइफ हैं। तमन्ना की शुरुआती पढ़ाई मानक जी कूपर एजुकेशनल ट्रस्ट स्कूल जुहू में हुई। 13 साल की उम्र में तमन्ना अपने स्कूल के एनुअल फंक्शन में परफॉर्म कर रही थीं। तभी उन्हें फिल्म का ऑफर मिल गया था, जिसके बाद वह मुंबई आ गई थीं। इसके बाद तमन्ना एक साल तक मुंबई के पृथ्वी थिएटर का हिस्सा रहीं। इसी बीच उन्होंने साल 2005 में रिलीज हुए अभिजीत सावंत के एल्बम सॉन्ग 'लफ्जों में' भी काम किया। कुछ समय उन्होंने मॉडलिंग और कुछ टीवी ऐड्स भी किए। तमन्ना भाटिया ने 15 साल की उम्र में अपनी पहली फिल्म में काम किया। इस फिल्म का नाम था चांद सा रोशन चेहरा। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। इस बीच तमन्ना ने कुछ वीडियो एलबम में भी काम किया। बाद में उन्होंने ने तेलुगु और तमिल फिल्मों की ओर रुख कर लिया। साल 2005 में तमन्ना फिल्म श्री में नजर आईं। बस फिर क्या था तमन्ना ने अपने टैलेंट के दम पर एक के बाद एक फिल्मों में अभिनय से लोगों के दिल में अपनी जगह बना ली और देखते ही देखते वह साउथ की बड़ी स्टार बन गईं।इसके बाद साल 2013 में तमन्ना ने हिन्दी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाई। वह अजय देवगन के साथ फिल्म हिम्मतवाला में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने साल 2014 में फिल्म हमशकल्स में काम किया। अगली फिल्म एंटरटेनमेंट में उन्होंने अक्षय के साथ काम किया। इन दोनों ही फिल्म में तमन्ना ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में दिखाई दीं। लेकिन उन्हें सुपरहिट फिल्म बाहुबली से पहचान मिली। इस फिल्म में तमन्ना के काम को बहुत पसंद किया गया। बाहुबली में तमन्ना ने प्रभास के साथ लीड रोल निभाया था। फिल्म में एक सीन ऐसा भी था जिसमें तमन्ना टॉपलेस भी दिखाई गई थीं। इस सीन के बाद से ही अभिनेत्री चर्चा में आई थी। हालांकि, इस सीन की लोगों ने काफी आलोचना की थी, लेकिन फिल्म देखने के बाद दर्शकों का गुस्सा शांत हो गया था। इसके बाद बाहुबली 2 में भी तमन्ना का छोटा सा सीन था, जिस पर तमन्ना फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजामौली से नाराज भी हुई थीं। फिल्मों के अलावा तमन्ना डांस रियलिटी शो नच बलिए 5 में भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह साल 2016 में भारत सरकार की योजना बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर रह चुकी हैं। उन्हें तमिल फिल्म चारुलता के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुका है। तमन्ना फिल्मों में स्पेशल गानों पर डांस भी कर चुकी हैं। इनमें कन्नड़ फिल्म जगुआर, केजीएफ चैप्टर 1, महेश बाबू की फिल्म सरिलेरू नीकिवारु शामिल है।

इन शादीशुदा अभिनेताओं को अपने स्वयंवर में चाहती हैं सारा अली खान

अक्षय कुमार, सारा अली खान और धनुष की मोस्ट अवेटिड फिल्म 'अतरंगी रे' दर्शकों के बीच रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये फिल्म 24 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। तीनों स्टार अपनी इस फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। सारा और धनुष अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए लगातार अलग-अलग प्रोग्राम का हिस्सा बन रहे हैं, जहां पर दोनों खूब मस्ती करते दिखाते देते हैं। वहीं, अब सारा अली खान और धनुष अपनी फिल्म का प्रमोशन करने करण जौहर के पॉपुलर चैट शो 'कॉफी विद करण' में पहुंचे। इस शो में करण ने सारा और धनुष से उनकी फिल्म से हटकर कई मजेदार सवाल किए। करण ने सारा से उनकी शादी से जुड़ा सवाल भी किया। दरअसल, 'कॉफी विद करण' के इस एपिसोड का एक प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसमें करण अपने शो में सारा और धनुष का ग्रैंड वेलकम करते दिखाई देते हैं। इस दौरान करण, सारा और धनुष की जमकर तारीफ करते हैं। इसके बाद करण, सारा और धनुष से एक-एक सवाल करते हैं। करण बातचीत के दौरान धनुष से पूछते हैं कि अगर वह एक सुबह रजनीकांत बनकर उठें तो वह क्या करेंगे? इसके जवाब में धनुष कहते हैं कि मैं हमेशा रजनीकांत बनकर रहना ही पसंद करूंगा। इसके बाद करण, सारा अली खान से एक सवाल करते हैं। ये सवाल उनकी शादी से जुड़ा होता है। वह पूछते हैं, 'आप अपने स्वयंवर में किन चार एक्टर्स को देखना चाहती हैं?' इस पर सारा कहती हैं, 'रणवीर सिंह, विजय देवरकोंडा, विक्की कौशल और वरुण धवन।' सारा जैसे ही ये चार नाम लेती हैं, तो करण कहते हैं, 'मैं उम्मीद करता हूं कि इन अभिनेताओं की पत्नियां भी ये एपिसोड देख रही हो।'

आर माधवन हुए दुबई शिफ्ट

बेटा वेदांत कर रहा है 2026 ओलंपिक्स की तैयारी

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन से हम सभी परिचित हैं। आर माधवन अपनी एक्टिंग का लोहा साउथ से लेकर बॉलीवुड फिल्मों तक मनवा चुके हैं। आर माधवन की बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान है वो सफलता की ऊंची उड़ान भर चुके हैं। लेकिन आज हम आपको आर माधवन कि नहीं उनके बेटे के बारे में एक खबर बताने जा रहे हैं, दरअसल आर माधवन के बेटे वेदांत माधवन भी अपने पिता की तरह सफलता की सीढ़ियों की ओर बढ़ रहे हैं। वेदांत माधवन 16 की उम्र में स्पोर्ट्स में सफलता की सीढ़ियां चढ़ने की तैयारी कर रहे हैं,आर माधवन इन दिनों अपने परिवार के साथ दुबई शिफ्ट हो गए हैं। जहां उनके बेटे वेदांत माधवन ओलंपिक 2026 की तैयारी कर रहे हैं। दुबई में है वेदांत माधवन स्विमिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं। दरअसल आर माधवन नहीं चाहते कि बेटे की ट्रेनिंग में किसी भी तरह की कोई कमी आए इसलिए वो पूरे परिवार के साथ दुबई शिफ्ट हो गए हैं। एक अंग्रेजी वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में आर माधवन ने खुद इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मुंबई में जो बड़े स्विमिंग पूल्स हैं वो कोविड-19 वजह से बंद है और कईयों में यह सुविधा भी नहीं है। वहां पर उनके पास बड़े टूल्स के एक्सेस हैं। आपको बता दें कि वेदांत ओलंपिक्स के लिए मेहनत कर रहे हैं और उनके मां-बाप उनके साथ हैं। एक्टर आर माधवन ने बेटे के सपने को लेकर बातचीत में कहा कि वह पैरेंट्स होने के नाते अपने बेटे के सपने में उसका साथ देने में विश्वास रखते हैं। वेदांत पूरी दुनिया में कई स्विमिंग चैंपियनशिप्स जीत रहा है, और वो इसके लिए महत्वपूर्ण भी है। एक्टर ने कहा कि सभी पैरेंट्स को अपने बच्चों के सपनों को उड़ान देने में सहायता करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मुझे इस बात का बिल्कुल अफसोस नहीं है उनका बेटा एक्टर नहीं बनना चाहता। बेटे के करियर को लेकर माधवन कहते हैं उसने जो राह चुनी है उनके लिए कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, वेदांत माधवन ने अक्टूबर में जूनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के लिए 7 मेडल जीते थे। 16 साल के वेदांत ने Basavaganudi Aquatic Centre में आयोजित स्विमिंग चैंपियनशिप में 4 सिल्वर और तीन ब्रोंज मेडल अपने नाम किए थे

जब खुली किताब का फर्स्टलुक हुआ रिलीज

पुराने जमाने के स्टार डिंपल कपाड़िया और पंकज कपूर एक आकर्षक प्रेम कहानी जब खुली किताब के लिए एक साथ होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अप्लॉज एंटरटेनमेंट और शू स्ट्रैप फिल्म्स की फिल्म सौरभ शुक्ला के नाटक का एक हिंदी रीमेक है और इसे खुद सौरभ शुक्ला ही बनाएंगे। सौरभ शुल्का ने फिल्म की कास्ट को भी फाइनल कर लिया है। कलाकारों में अपारशक्ति खुराना, समीर सोनी और नौहीद सिरुसी शामिल होंगे। बॉलीवुड के अनुभवी अभिनेता पंकज कपूर और डिम्पल कपाडिया आने वाली फिल्म 'जब खुली किताब' में मुख्य किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है और इसका निर्देशन अभिनेता फिल्मकार सौरभ शुक्ला कर रहे हैं। यह फिल्म शुक्ला के इसी नाम से लिखे नाटक पर आधारित है। फिल्मकार के मुताबिक 'जब खुली किताब'एक बुजुर्ग जोड़े की कहानी है जो शादी के 50 साल बाद तलाक चाहता है। उन्होंने बताया कि ''यह फिल्म निष्क्रिय रिश्तों और उसके परिवार पर पड़ने वाले असर को रेखांकित करता है, जिसमें भावनाओं के साथ-साथ हास्य का पुट है।'' इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अप्लॉज एंटरटेनमेंट के सीईओ समीर नायर ने अपनी ओर से कहा, जब खुली किताब के मूल में एक प्यारा, रोमांचक विचार है, जो इसे अन्य रोमांसों से पूरी तरह से अलग करता है।

ऑफ स्क्रीन भी काफी बोल्ड हैं कालीन भैया की 'पत्नी'

मिर्जापुर फेम अभिनेत्री रसिका दुग्गल सोशल मीडिया काफी एक्टिव रहने वालीं अभिनेत्रियों में एक हैं। अभिनेत्री अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अपने जबरदस्त अभिनय के दम पर लोगों में दिलों में जगह बनाने वालीं रसिका की फैन फॉलोइंग भी कुछ कम नहीं है। फैंस भी एक्ट्रेस की इन तस्वीरों और वीडियोज को काफी पसंद करते हैं। रसिका ने कम ही समय में इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली हैं। मशहूर प्राइम सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आईं रसिका के अभिनय की लोगों ने भी काफी तारीफ। सीरीज में कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) की पत्नी का उनका रोल लोगों को पसंद आया है। इस वेब सीरीज ने सही मायने में रसिका को एक अलग पहचान दिलाई। बीना त्रिपाठी के बोल्ड करिदार में ढलने के लिए एक्ट्रेस कई बोल्ड सीन भी दिए। इस वेब सीरीज के बाद से ही रसिका रातोंरात लाइमलाइट में आ गई थीं। सोशल मीडिया पर उनके बोल्ड सीन की तस्वीरें तेजी से वायरल भी हुई थीं। हालांकि, अभिनेत्री ऑन स्क्रीन जितनी बोल्ड हैं, ऑफ स्क्रीन भी उतनी ही बोल्ड नजर आती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपने बोल्ड अंदाज शेयर करती रहती हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की कई अभिनेत्री की इन तस्वीरों और वीडियोज को उनके फैंस भी काफी पसंद करते हैं। रसिका कई वेब सीरीज में बोल्ड सीन देती नजर आई हैं। इससे पहले वह हॉटस्टार स्पेशल आउट ऑफ लव में इंटीमेट सीन करती नजर आ चुकी हैं। लेकिन मिर्जापुर में उनके अंदाज ने मानो स्क्रीन आग ही लगा दी। स्क्रीन पर तहलका मचाने वालीं अभिनेत्री रसिका दुग्गल सोशल मीडिया पर बी लोगों के होश उड़ाती नजर आती हैं। वह अलग-अलग किरदारों में खुद को बहतरीन तरीके से ढालने के लिए हर हमेशा तैयार रहती हैं। वह आए दिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी फोटोज और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं, जिसे उनके फैंस बी काफी पसंद करते हैं।

एक्ट्रेस काजोल ने रेड ड्रेस में शेयर की अपनी तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उन्होंने मंगलवार को रेड ड्रेस में अपनी एक खूबसूरत तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिस पर सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर प्यार बरसाया है। एक्ट्रेस काजोल ने इस फोटो के कैप्शन में लिखा- यह तो शुरुआत है क्रिसमस की तरह दिखने की। उनकी इस तस्वीर को 59 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और इस पर लगातार फैंस की टिप्पणियां आ रही हैं। इस तस्वीर में काजोल लाल रंग के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनके फैंस उनकी इस तस्वीर को ब्यूटीफुल बता रहे हैं। कई यूजर्स उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं और उन्हें गॉर्जियस, क्वीन और ब्यूटीफुल इत्यादी लिख रहे हैं। काजोल फिल्मों में अभिनय के साथ ही अपने अंदाज के लिए भी काफी पॉपुलर हैं। हाल ही में उन्होंने पवई वाला अपार्टमेंट किराए पर दिया है। काजोल ने अपना पवई वाला अपार्टमेंट तकरीबन 90 हजार रुपये प्रति माह के रेट पर किराये पर दिया है। जबकि इसकी सिक्योरिटी मनी उन्होंने 3 लाख रुपये ली है। गौरतलब है कि अजय देवगन और काजोल की बेटी नीसा देवगन भी अपनी मां की तरह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी पार्टी करते हुए तस्वीर शेयर की थी जिस पर फैंस ने जमकर प्रतिक्रियाएं दी थी। सोमवार को भी काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की थी जो कि वैष्णो देवी की थी। इस फोटो में काजोल मुस्कार रही थी और उन्होंने कैप्शन में लि था- मेरी आंखों में वह पागल खुशबू देखो.. इतना खुश कि मैं लगभग ऊंची हूं!

'स्पाइडरमैन नो वे होम' ने टॉम हॉलैंड के लिए भारत में बनाए थोक में दर्शक

फिल्म 'स्पाइडरमैन नो वे होम' के जरिये साल के सुपरहिट अभिनेताओं में सबसे आगे निकलते दिख रहे टॉम हॉलैंड का प्यार इन दिनों अपने हिंदुस्तानी प्रशंसकों के लिए उफान पर है। याद है दो महीने पहले जब उन्होंने अपनी अगली फिल्म के ट्रेलर से पहले 'नमस्ते इंडिया' कहा था। टॉम हॉलैंड की ये फिल्म 'अनचार्टेड' अगले साल 18 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्म को अंग्रेजी के अलावा हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में भी रिलीज करने की तैयारियां इन दिनों जोरों पर हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इस भारतीय भाषाओं वाले पोस्टर भी रिलीज कर दिए हैं। 'अनचार्टेड' एक वीडियो गेम पर बनी फिल्म है। इस वीडियो गेम का 'लेगेसी ऑफ थीव्स' कलेक्शन भी फिल्म की

रिलीज के आसपास ही अगले साल रिलीज होगा। इस गेम के अब तक चार संस्करण रिलीज हो चुके हैं और इसका एक स्पिनऑफ भी 'द लॉस्ट लेगेसी' के नाम से बन चुका है। टॉम हॉलैंड ने 21 अक्टूबर को 'नमस्ते इंडिया' कहते हुए यूट्यूब पर इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया था। उसमें उनके साथ मार्क वालमर्ग और एंटोनियो बैंड्रियास भी हैं। फिल्म किसी खजाने की खोज में निकले लोगों की है। और, जैसे जैसे ये खोज आगे बढ़ती जाती है पता चलता है कि ये खोज सिर्फ वही नहीं कर रहे हैं। कहानी में भरपूर एक्शन है, भाइयों का इमोशन, प्रेमियों का ड्रामा है और खजाना भरके सस्पेंस है।फिल्म 'अनचार्टेड' का ट्रेलर भारत में अभिनेता आमिर खान के लिए संकट बनकर आया था। वह अपनी फिल्म अगले साल वैलेंटाइंस डे पर रिलीज करने का एलान कर चुके थे और फिल्म 'अनचार्टेड' की रिलीज डेट सोनी पिक्चर्स ने भी 18 फरवरी घोषित कर दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' के निर्मातओं में पैरामाउंट पिक्चर्स के साथ ही वॉयकॉम18 भी शामिल है और ये फिल्म आमिर खान को टॉम हॉलैंड से मिलने वाली सीधी चुनौती भी बनती दिख रही थी। बताते हैं कि इसी के बाद आमिर खान ने अपनी फिल्म की रिलीज डेट आगे खिसकाकर बैसाखी कर दी। जिन लोगों को 'अनचार्टेड' वीडियो गेम के बारे में ज्यादा ना पता हो तो उनकी जानकारी के लिए इतना बताना ठीक रहेगा कि नॉटी डॉग कंपनी का प्लेस्टेशन के लिए बनाया गया ये वीडियो गेम इतना मशहूर रहा है कि इस गेम के अगले संस्करण के लिए महीनों पहले से एडवांस बुकिंग होती रही हैं। इसके किरदारों को बच्चों, किशोरों और युवाओं ने पिछले डेढ़ दशक से अपना बना लिया है। फिल्म 'अनचार्टेड' का ट्रेलर भी इन्हीं इमोशंस पर खेलता दिख रहा है।फिल्म 'अनचार्टेड' के निर्देशक रुबेन फ्लाइशर कहते हैं, हमने ये फिल्म इस वीडियो गेम के भयंकर प्रशंसकों के लिए तो बनाई है लेकिन साथ ही ये फिल्म उनके लिए भी है जिन्होंने अभी तक इस वीडियो गेम के बारे में सुना ही नहीं है या इस फ्रेंचाइजी के बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है।

कीमती क्रॉकरीज इस तरह करें हैंडल

कई बार हम दिवाली या किसी खास ओकेजन पर महंगे और खूबसूरत क्रॉकरीज खरीदते हैं और शेल्फ में सजा कर रखते हैं। कई लोग इन्हें किचन में रखना पसंद करते हैं तो कई इसे अपने सिटिंग एरिया में शेल्फ पर डेकोरेटर की तरह प्रयोग करते हैं। आमतौर पर इनका प्रयोग किसी खास ओकेजन पर ही किया जाता है। आपको बता दें कि क्रोकरीज में मैकेनिकल स्ट्रेंथ और रेसिस्टेंस होती है लेकिन ये नाजुक भी बहुत होते हैं। यही वजह है कि इसे स्टोर करने में की गई लापरवाही से ये आसानी से टूट भी सकते हैं। ऐसे में इन्हें टूटने और क्रैक्स से बचाने के लिए अधिक केयर की जरूरत होती है। हम आज आपको बताते हैं कि आप किन टिप्स को अपनाकर आपकी क्रॉकरीज को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

इन पर भारी बर्तन न रखें

जब भी आप क्रॉकरीज को रखें तो हमेशा इस बात का विशेष ध्यान दें कि इन पर भारी बर्तन ना रखा जाए। ऐसे में हमेशा भारी और बड़ी प्लेस्ट को सबसे नीचे रखें और इनके ऊपर हल्के बर्तन रखें। यही नहीं अगर आप एक साथ ज्यादा बर्तन रखते हैं तो इससे प्लेट्स और क्रॉकरीज को नुकसान हो सकता है।

पेपर का करें प्रयोग

जब भी क्रॉकरीज को रखें तो इस बात का ध्यान रखें कि ये गीली नही हों। इन्हें पोछने के बाद दो बर्तनों के बीच में पेपर या टीशू पेपर जरूर रखें। ऐसा करने से ये एक-दूसरे में चिपकते नहीं हैं और रगड़ते नहीं हैं।

सफाई में टैंप्रेचर का रखें ख्याल

जब भी क्रॉकरी के बर्तनों को धोएं तो इस बात का ध्यान जरूर रखें कि वे अधिक गर्म या अधिक ठंडा ना हों। ऐसा होने पर ये चटक कर टूट सकते हैं। हमेशा नॉर्मल या गुनगुने पानी में ही इन्हें साफ करें।

सफेद पेपर का करें प्रयोग

अगर आप अखबार से क्रॉकरीज को लपेट कर रखेंगे तो इन पर अखबार का इंक लग सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप बिना प्रिंट वाले पेपर का प्रयोग करें।

टॉवल का करें प्रयोग

जब भी क्रॉकरी को वॉश करना हो तो आप इन्हें साफ कर टॉवल पर उल्टा रखते जाएं। ऐसा करने से ये टूटेंगे नहीं और इनका पानी भी आसानी से साफ हो जाएगा।

बिगड़ा मूड बनाती है खुशबू

जिस तरह अच्छे भोजन से शरीर पुष्ट होता है उसी तरह अच्छी खुशबू मनमस्तिष्क को सेहतमंद बनाती है। अच्छी खुशबू से सोच बदलती है और सोच से जीवन बदल जाता है। यहां तक कि सुगंध हमारे विचारों और भावनाओं को बदलने की भी क्षमता रखती है। यह मनमस्तिष्क में शांति, उत्साह बढ़ा कर जीने का नजरिया बदलती है। यही वजह है कि हम सभी अच्छी खुशबू से महकना चाहते हैं। मगर यह खुशबू सिर्फ हमें ही नहीं हमारे घर को भी महकाए तभी फैस्टिवल्स का असली आनंद है। रिसर्च के मुताबिक फैस्टिवल की तैयारी में व्यस्तता से उपजा तनाव भी भीनीभीनी खुशबू से कम होने लगता है। आइए, जानते हैं कि अलगअलग फ्रैगरैंस हमारे मूड को किस तरह प्रभावित करती हैं:

लैवेंडर : इस की खुशबू हमारे दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। भावनात्मक तनाव और अवसाद दूर कर राहत देती है। माइग्रेन और सिरदर्द के असर को कम करती है।

जैस्मिनः इस की खुशबू थकान दूर करने में मददगार है। यह न सिर्फ उत्साह बल्कि शरीर की ऊर्जा भी बढ़ाती है।

रोजमेरी : इस की खुशबू याद्दाश्त बढ़ाने, शारीरिक ऊर्जा वापस लाने, सिरदर्द और मानसिक थकान दूर करने में मददगार होती है।

पिपरमिंट : इस की खुशबू ऐनर्जी बूस्टर है। यह एकाग्रता बढ़ाती है और स्पष्ट सोचने की शक्ति देती है। यह मूड भी अपलिफ्ट करती है।

लैमन : लैमन की खुशबू एकाग्रता बढ़ाती है और मन को शांत करती है। यह सांसों में समा कर तरोताजा

ताजी कटी घास की खुशबू: आस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं के मुताबिक ताजा कटी घास से ऐसे कैमिकल रिलीज होते हैं जो व्यक्ति को रिलैक्स करते हैं। इस की खुशबू उम्र के साथ होने वाले मानसिक क्षय और बुढ़ापे की निशानियों को बढ़ने से रोकती है। तभी तो ऐसे ऐअर फ्रैशनर भी आने लगे हैं जो इस खुशबू का एहसास आप को कहीं भी करा सकें।

वनीला : एक अध्ययन के मुताबिक वनीला की खुशबू आप के मन को खुशी देती है। आप का मूड अच्छा हो जाता है और चिड़चिड़ापन गायब हो जाता है।

यों महकाएं आशियाना

- ★ घर के परदों, कालीनों व चादरों को धो कर धूप में सुखा लें।
- ★ डस्टबिन डिटर्जेंट से रगड़ कर साफ कर दें, क्योंकि डस्टबिन से आने वाली दुर्गंध मेहमानों का मिजाज खराब कर सकती है। मैटल के कूड़ेदान की दुर्गंध हटाने के लिए उस में
- ★ पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। दुर्गंध दूर हो जाएगी।
- ★ फ्रिज में बेकार पड़े सड़ रहे ऐक्सपायर सामान हटा दें।
- ★ बाथरूम और टौयलेट अच्छी तरफ साफ कर ऐअर फ्रैशनर से महकाएं।
- ★ नए पेंट से घर को नया लुक दें। नया पेंट घर में महकता एहसास पैदा करता है।
- ★ घर के कोनों और छोटी जगहों पर फ्रैगरैंट औइल स्प्रे करें। घर को महकाने के साथसाथ ये मच्छरों को भी भगाते हैं।
- ★ स्ट्राबैरी, लैवेंडर, लैमन, औरेंज जैसी तरहतरह की खुशबू और डिजाइन वाली मोमबत्तियां बाजार में उपलब्ध हैं। इन का प्रयोग रोशनी के साथ दिलअजीज खुशबू के लिए भी किया जाता है।
- ★ घर में चमेली, मोगरा, रात की रानी, लिली जैसे सुगंधित फूलों के पौधों को डिजाइनर गमले में लगा कर घर में रौनक और महक दोनों ला सकते हैं। इन्हें आप बरामदे में डाइनिंग टेबल के पास या ड्राइंगरूम में भी रख सकते हैं।
- ★ दालचीनी को संतरे के छिलके के साथ धीमी आंच में हलका सा भून कर छोड़ दें। घर खुशबू से महक उठेगा।
- ★ रूम फ्रैशनर, कारपेट पाउडर से आप घर में बिछे कारपेट के जरीए पूरे कमरे को महका सकते हैं। आप लैवेंडर और रोजमैरी पाउडर का प्रयोग भी कर सकते हैं। इस के लिए बेकिंग सोडा, ड्राई रोजमैरी और लैवेंडर औयल की जरूरत पड़ेगी।

ब्रा से जुड़ी कॉमन गलतियां आपको दे सकतीं है ब्रेस्ट कॅन्सर

10 में 7 महिलाएं जब बात ब्रा की आती है तो लापरवाही बरत देती हैं। कपड़ों के मामले में लड़कियां चूजी मानी जाती हैं हर चीज देख परख कर लेती हैं। जबकि बाकी कपड़ों का चुनाव जितना जरूरी है उतना ही सही ब्रा का चुनाव भी जरूरी है। तो चलिए आपको बताते हैं उन कॉमन गलतियों के बारे में जो महिलाएं जाने-अनजाने में करती ही करती हैं।

जब भी ब्रा खरीदने जाएं, उसकी फिटिंग चेक करके ही लें। गलत साइज़ और खराब ब्रा टाइप खरीदने से सिर्फ आपकी ब्रेस्ट शेप तो खराब होगी साथ ही हैल्थ प्रॉब्लम्स भी होगी। वजन बढ़ने, प्रेग्नेंसी के दौरान उम्र के हिसाब से अक्सर ब्रेस्ट साइज चेंज होता है इसलिए साल में 2 बार अपना ब्रा साइज चेक करें।

बहुत सी महिला ब्रा को दो से तीन दिन लगातार पहनती हैं ये सोच कर की इसकी फिटिंग बेहतर हो जाती हैं जबकि ऐसा तो कुछ नहीं हैं बल्कि हाइजीन के लिहाज से भी रोज बदलना जरूरी है।

अब आप सोच रही होगी कि ब्रा की भी क्या एक्सपायरी डेट होती है? तो बता दें कि हां, विशेषज्ञों के अनुसार 6 से 9 महीने रेगुलर इस्तेमाल के बाद ब्रा खराब होने लगती है। हुक में क्रैक, इलास्टिक में ढीलापन और वायर का हिल जाना, आदि संकेत दिखने लगें तो ब्रा बदल डालें। साल में दो बार बदलें।

अभी तक आप भी अगर वॉशिंग मशीन में ब्रा धो रही हैं तो इसे अब से हाथ से धोएं। ब्रा का कपड़ा अन्य कपड़ों की तुलना में अधिक नाजुक होता है इसलिए इसे हाथ से ही साफ करें।

रात को ब्रा पहनकर नहीं सोना चाहिए। खासतौर से teenagers को इस rule को follow करना ही चाहिए। टाइट ब्रा ब्लड सर्कुलैशन में बाधा डालती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए जरूर पिएं लेमन टी

नींबू की चाय बनाना बहुत आसान है। यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो नींबू की चाय एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें नींबू होने के कारण शरीर को विटामिन सी मिलता है और विटामिन सी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। नींबू की चाय पीने से शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। शरीर को एनर्जी मिलती है। रिफ्रेश होने के लिए नींबू की चाय पीनी चाहिए। नींबू की चाय पीने के फायदों के बारे में।

सर्दी-जुकाम से बचाता है

नींबू की चाय सर्दी-जुकाम में राहत देती है। यह चाय ठंड और फ्लू के लक्षणों को कम करती है। बेहतर परिणाम के लिए, आप चाय में अदरक डाल सकते हैं। इसके अलावा, यह गले में दर्द व गले में खराश में आराम देती है। नींबू की चाय रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत करती है।

वजन घटाती है

ग्रीन टी की तरह ही नींबू की चाय या लेमन टी पीने से वजन कम होता है। अगर आप अपना वजन कम करने के लिए रोज सुबह नींबू पानी पीते हैं, तो अब नींबू वाली चाय भी पीना शुरू कर दें। लेमन टी भी वजन को नियंत्रित करता है। नींबू में कैलोरी न के बराबर होती है, इसलिए आप नींबू की चाय पीकर अपना वजन घटा सकते हैं।

नैचुरल एंटीसेप्टिक

नींबू एक नैचुरल एंटीसेप्टिक होता है। नींबू की चाय में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। चाय को नियमित रूप से पीने से संक्रमण और बीमारियों के उपचार में मदद मिलती है।

डिटॉक्सीफायर करती है

नींबू की चाय प्रभावी रूप से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल देती है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाना जरूरी होता है क्योंकि वह इंफेक्शन और बीमारियों को बढ़ाते हैं। नींबू की चाय पीने से रोग और इंफेक्शन कम होते हैं।

स्किन पर लाए निखार

लेमन टी विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है। विटामिन सी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसके अलावा, इसमें एस्ट्रिंजेंट भी होते हैं जो पिंपल्स और त्वचा की अन्य समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं।

वेट लॉस में हेल्प करेंगी ये पांच तरह की रोटियां

चोकर की रोटी

आप अगर रोटी का पूरा पोषण पाना चाहते हैं, तो आप आटे से चोकर को पूरी तरह अलग न करें। आपकी रोटी में आटे की जगह अगर चोकर की मात्रा ज्यादा होगी, तो आपको ज्यादा पोषण मिल पाएगा।गेहूं की रोटी में कार्ब्स, आयरन, नियासिन, विटामिन बी 6, थायमिन और कैल्शियम होता है जबकि चोकर फाइबर से भरपूर होता है।

मल्टीग्रेन रोटी

आप अगर अपनी रोटी का टेस्ट बढ़ाकर उसे हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो आटे में एक मुट्ठी बेसन मिला दें।चने में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो शरीर में कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है। अपने गेहूं के आटे में थोड़ा-सा बेसन मिला कर उसे मल्टीग्रेन आटा बनाया जा सकता है।

सत्तू की रोटी

आपने गर्मियों के मौसम में सत्तू घोलकर कई लोगों को पीते हुए देखा होगा, इसके साथ ही सत्तू की रोटी भी सेहत के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। वजन कंट्रोल रखने के साथ यह आपके शरीर को एक्टिव भी बनाए रखती है।

सोया रोटी

शरीर पर जमा फैट कम करने के लिए आपको सोया रोटी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होने के अलावा सोया रोटी में विटामिन और खनिज की काफी मात्रा होती है।सोया रोटी बुर्जुगों के लिए बेहद सेहतमंद मानी जाती है।

जौ की रोटी

आपको अगर बार-बार भूख लगती है, तो आप जौ की रोटी खाना शुरू कर दें क्योंकि इसे खाने के बाद लम्बे समय तक आपका पेट भरा रहता है। जौ की रोटी में प्रोटीन और फाइबर की काफी मात्रा पाई जाती है।

इन होममेड टिप्स से दाग छुड़ाना हो जाएगा आसान

क्लब सोडा : जी हां, वही सोडा, जो हम पीते हैं। यह हर प्रकार के दाग हटाने में कारगर है, खासकर तब जब आप किसी रेस्टोरेंट में खाना खा रहे हों। आप की पार्टी ड्रैस पर किसी भी तरह का दाग लग जाए, उसे फौरन सोडा वाटर से धो लीजिए, कुछ देर बाद उस का नामोनिशान नहीं रहेगा। बरतन साफ करने वाला लिक्विड सोप : चौंकिए मत, बल्कि यकीन कीजिए। यह कपड़ों के लिए बेहतरीन स्टेन रिमूवर साबित हो सकता है, खासकर तेल, घी, मक्खन आदि के दागों के लिए।

अल्कोहल : चाहे मिथाइलेटिड स्प्रिट हो, या नेलपौलिश रिमूवर या हेयर स्प्रे इन के द्वारा आप घास या अन्य कई प्रकार के जिद्दी दाग हटा सकती हैं।

शैंपू : धूलमिट्टी, मेकअप, कालर रिंग्स आदि दाग हटाने में शैंपू बड़ा काम आ सकता है। जरूरी नहीं कि आप कोई महंगा शैंपू ही इस्तेमाल करें, कोई भी शैंपू आप की मदद करेगा।

शेविंग क्रीम : शेविंग क्रीम भी हर तरह के दाग हटाने में मददगार है। यह उस समय बड़ी मददगार साबित होती है, जब आप कहीं बाहर घूमने गए हैं। आखिर गौर से देखें तो आप को मालूम पड़ेगा कि शेविंग क्रीम सिर्फ एक प्रकार का फेंटा हुआ साबुन ही है।

नौलखा साबुन : नौलखा साबुन, टुकड़ा साबुन, देसी साबुन, घोड़े वाला साबुन जैसे नामों से मिलने वाला साबुन हम बेशक आउटडेटेड मान कर छोड़ चुके हैं, पर यह है बड़े काम की चीज। इस से आप के सफेद कपड़े तो चमकते ही हैं, ग्रीस, मैल, चिकनाई आदि दागों पर भी बड़ा कारगर साबित होता है।

नौन जैल टूथपेस्ट : आप के दांतों को चमकाने के साथसाथ आप का नौन जैल टूथपेस्ट कपड़ों पर से इंक के दाग बड़ी सफाई से हटा कर उन्हें भी चमकदार बनाता है।

नीबू का रस व नमक : कपड़ों पर से फफूंदी आदि के दाग हटाने में नीबू का रस बड़ी सहायता करेगा। इंक, हलदी, तेल आदि के दागों पर भी आप नीबू का रस मल सकती हैं। फफूंदी पर नीबू लगा कर उस पर नमक बुरक दें और फिर धूप में रख दें। इसी प्रकार कपड़ों पर से खून के धब्बे साफ करने के लिए उन्हें नमक मिले पानी में भिगो दें।

सिरका : सफेद सिरका भी कपड़े धोते समय आप का मददगार साथी साबित होगा। जिन कपड़ों से रंग निकलता हो, उन्हें सिरके में डुबो कर आप उन के रंग पक्के कर सकती हैं।

चेहरे पर जमी चर्बी को दूर करने के लिए फेस योग

योग एक ऐसी क्रिया है जिससे आप तन और मन दोनों को स्वस्थ रख सकते हैं। खासतौर पर वर्तमान समय में ज्यादतर लोग तनाव का सामना करने के साथ शारीरिक रूप से भी स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं। ऐसे में आपको योग को अपने जीवन का खास हिस्सा बनाना चाहिए। वहीं, बात करें आपके चेहरे की तो आपको अगर फेस डबल चिन की समस्या है, तो हम आपको ऐसे फेशियल योगा बताने जा रहे हैं, जिससे आप अपने चेहरे की चर्बी को कम कर सकते हैं।

- सेल्फी क्लिक करते समय जैसे आप पाउट बनाते हैं, यह योगा कुछ वैसा ही है। इसके लिए आपको बस अपने गालों को अंदर की ओर करना है और 30 सेकंड के लिए स्थिति में रहना है। अब अपने चेहरे को आराम दें और इसे 4-5 बार दोहराएं।
- आपको अगर तेजी से फेस पर जमा चर्बी हटानी है, तो इस तकनीक के लिए, बस अपनी ठोड़ी को ऊपर उठाएं और छत को देखें। अब अपने मुंह को 10-15 सेकंड के लिए लगातार खोलें और बंद करें। आराम करें और अपने चेहरे को नीचे लाएं। अपने चेहरे के फैट को जल्दी से बर्न करने के लिए इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहराएं।
- सबसे आसान योग आसन में आपको केवल पानी से नहीं बल्कि हवा से अपने मुंह को कुल्ला करना होगा। बस अपना मुंह हवा से भरें और कुल्ला करें। हवा को बाईं ओर, फिर दाईं और फिर मध्य की ओर ले जाएं। इसे कम से कम 20-30 सेकंड तक जारी रखें और फिर साँस छोड़ें। इसे 3-4 दोहराव करें।

इस तरीके से न सिर्फ आपके चेहरे की चर्बी कम होती है बल्कि इससे आपकी थकान भी दूर होती है। इस मुद्रा के लिए, पैरों को पीछे की ओर मोड़ें और अपनी हथेलियों को अपनी जांघों पर रखें। अपनी पीठ को सीधा रखें और अपनी जीभ बाहर निकालें। अपनी जीभ को जितना हो सके उतना फैलाएं। याद रखें कि आप मांसपेशियों पर दबाव नहीं डालें। अब एक गहरी सांस लें और जब आप साँस छोड़ते हैं, तो एक ध्वनि होती है। इस क्रिया को 6-7 बार दोहराएं।

बरसात में देखें बुंदेलखंड का सौंदर्य

अगर आप उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखना चाहती हैं तो बुंदेलखंड में पर्यटन का आनंद मॉनसून में लें। बरसात में बुंदेलखंड का सौंदर्य और भी निखर उठता है। बरसात में यहां की नदियां पानी से भर जाती हैं और नदीयों में उठती लहरें बहुत खूबसूरत लगती हैं। बरसात के दिनों में झांसी का किला, महोबा की वीर भूमि, चित्रकूट, कालिंजर किला, देवगढ़ और बरुवासागर घूमने के लिए अच्छी जगहें हैं।

झांसी का किला

मौनसून पर्यटन की शुरुआत झांसी से ही करें। रानी लक्ष्मीबाई का किला इस शहर की सब से खास घूमने वाली जगह है। 1857 में आजादी की लड़ाई में अंगरेजों ने जिस किले पर गोले बरसाए थे वह आज भी वैसा का वैसा खड़ा है। बंगरा कीपहाड़ियों पर बना यह किला 1610 में राजा वीर सिंह जूदेव द्वारा बनवाया गया था। 18वीं शताब्दी में झांसी और उस के किले पर मराठों का अधिकार हो गया था। मराठों के अंतिम शासक गंगाधर राव थे, जिनकी 1853 में मृत्यु हो गई थी। इस के बाद रानी लक्ष्मीबाई ने शासन की बागडोर संभाली। झांसी का किला अपनी अद्भुत कला के लिए जाना जाता है। इस किले में 'कड़क बिजली' और 'भवानी शंकर' नामक 2 तोपें आज भी रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का बखान करती नजर आती हैं।

कालिंजर का किला

झांसी के बाद कालिंजर का किला इतिहास की झलक दिखाता है। यह उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में बना है। चंदेल शासकों के द्वारा बनवाया गए इस किले मुगलों को हमेशा चुनौती दी। बड़ी मुश्किल से अकबर ने इसे जीतने में कामयाबी पाई थी। जीत के बाद अकबर ने इसे बीरबल को दे दिया था। उन के बाद यह किला राजा छत्रसाल के अधीन हो गया। यह किला चारों ओर से ऊंची दीवारों से घिरा था। आज भी 3 द्वार कामता द्वार, पन्ना द्वार और रीवां द्वार यहां जस के तस खड़े हैं। विंध्य की पहाड़ियों पर 700 फुट की ऊंचाई पर बने इस किले के अंदर शानदार राजा महल और रानी महल बने हैं। किले में ही नीलकंठ मंदिर बना है। इस के अलावा यहां वनखंडेश्वर महादेव मंदिर भी बना है।

महोबा

महोबा की वीर भूमि आपको रोमांच से भर देगी। महोबा का नाम यहां के रहने वाले आल्हा उदल की वीरतापूर्ण कहानियों के लिए मशहूर है। यहां चंदेल राजाओं का शासन था। चंदेल राजाओं के बाद परिहार राजाओं ने यहां शासन किया। आल्हा उदल यहां के प्रमुख लड़ाके थे। बरसात के दिनों में आज भी गांव-गांव में आल्हा उदल की लड़ाइयों के प्रसंग सुने और गाए जाते हैं। आल्हा गाने वाले लोकगायकों को सरकार की तरफ से प्रोत्साहन मिलता है।

गोरखगिरी पर्वत

गोरखगिरी पर्वत एक खूबसूरत पिकनिक स्पौट है। यहां का सूर्य मंदिर भी आपको बहुत अच्छे एक्सपीरियंस देगा। यह राहिला सागर के पश्चिम दिशा में स्थित है।

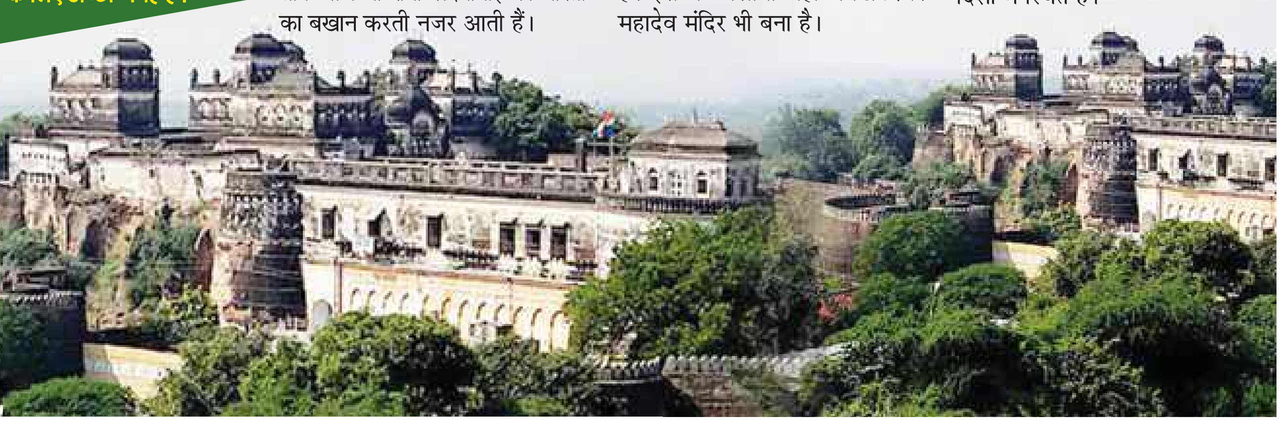

आज की रेसिपी

ढोकला सैंडविच

सामग्री :

■ 1 कप सूजी, 1 कप दही, 1 हरी मिर्च, 1 नींबू का रस, 5-6 कढी पत्ता, 1/2 टी स्पून सरसों के बीज, एक चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर स्वादानुसार नमक, 1/2 टमाटर, 1/2 कप पनीर, 1/2 शिमला मिर्च और प्याज

विधि :

- एक बाउल लें और उसमें सूजी, दही, हरी मिर्च, नमक, हल्दी पाउडर और नींबू का रस मिलाएं. इसे अच्छी तरह मिला लें और एक बैटर बना लें.
- फिर एक पैन को ग्रीस करके उसमें घोल डालें. ढोकला बनने तक भाप में पकाएं.
- एक बार जब यह हो जाए, तो इसके ऊपर करी पत्ते, राई और हींग का तड़का डालें.
- सैंडविच भरने के लिए टमाटर का एक टुकड़ा, कटा हुआ पनीर, शिमला मिर्च और प्याज लें.
- इसे अपनी पसंद के मसालों में टॉस करें.
- फिर ढोकला के 2 टुकड़े लें, एक तरफ हरी चटनी की एक परत डालें और दूसरी तरफ चटनी की चटनी डालें.
- बीच में फिलिंग डालें और भुजिया से सजाएं और मजा लें!

प्रशांत और निखिल के अर्धशतक

उत्तर प्रदेश को हराकर हिमाचल प्रदेश सेमीफाइनल में

एजेंसी ■ जयपुर

सलामी बल्लेबाज प्रशांत चोपड़ा एक रन से शतक से चूक गए लेकिन उनके और निखिल गंगटा के बीच दूसरे विकेट की शतकीय साझेदारी की बदौलत हिमाचल प्रदेश ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को यहां उत्तर प्रदेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उत्तर प्रदेश के 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हिमाचल ने प्रशांत की 141 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों से 99 रन की पारी के अलावा निखिल (58 रन, 59 गेंद, पांच चौके, तीन छक्के) के साथ उनकी 122 रन की साझेदारी की बदौलत 27 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश की टीम रिंकू सिंह (102 गेंद में 76 रन, छह चौके) के अर्धशतक के बावजूद नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी थी। भुवनेश्वर कुमार (46) और अक्षदीप नाथ (32) ने भी उपयोगी पारियां खेली। हिमाचल की ओर से तेज गेंदबाज विनय गलेतिया ने 19 रन देकर तीन जबकि सिद्धार्थ शर्मा ने 27 रन देकर दो विकेट हासिल किए। पंकज जायसवाल ने भी 43 रन देकर दो विकेट चटकाए। हिमाचल के कप्तान ऋषि धवन ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया जिसे विनय ने सही साबित करते हुए 15वें ओवर में उत्तर प्रदेश का स्कोर चार विकेट पर 39 रन कर दिया। विनय ने सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (09) को बोल्ड करने के बाद कप्तान करन शर्मा (00) और समीर रिज्वी (05) को पगबाधा किया जबकि सिद्धार्थ ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक गोस्वामी (17) को पगबाधा किया। अक्षदीप और रिंकू ने टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया लेकिन सिद्धार्थ ने अक्षदीप को पंकज जसवाल के हाथों कैच कराके 64 रन की साझेदारी को तोड़ दिया। रिंकू ने इसके बाद भुवनेश्वर के साथ भी छठे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी की। रिंकू को जसवाल ने आकाश वशिष्ठ के हाथों कैच कराके उनकी पारी का अंत किया। भुवनेश्वर ने हालांकि धवन की पारी की अंतिम गेंद पर बोल्ड होने से पहले कुछ आकर्षक शॉट खेलकर टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। उन्होंने 52 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा। लक्ष्य का पीछा करने उतरे हिमाचल को प्रशांत और शुभम अरोड़ा (19) ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम मावी (34 रन पर तीन विकेट) ने 18वें ओवर में शुभम को भुवनेश्वर के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। प्रशांत और निखिल ने इसके बाद शतकीय साझेदारी करके हिमाचल को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। हिमाचल को हालांकि जब जीत के लिए 32 रन की दरकार थी तब अंकित राजपूत (52 रन पर दो विकेट) ने निखिल को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा और फिर इसी ओवर में धवन (00) को भी पवेलियन भेजा। मावी ने प्रशांत का अक्षदीप के हाथों कैच कराके उन्हें शतक से वंचित किया और फिर सुमित वर्मा (03) को भी पवेलियन की राह दिखाई। हिमाचल ने 18 रन के भीतर चार विकेट गंवाए जिससे उसका स्कोर एक विकेट पर 176 रन से पांच विकेट पर 194 रन हो गया। अमित कुमार (नाबाद 14) और वशिष्ठ (नाबाद 03) ने हालांकि टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

> रिंकू ने इसके बाद भुवनेश्वर के साथ भी छठे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी की। रिंकू को जसवाल ने आकाश वशिष्ठ के हाथों कैच कराके उनकी पारी का अंत किया।

अंशुल कपूर के शानदार खेल से बीएसएनएल की आल इंडिया पब्लिक सेक्टर टूर्नामेंट में शानदार जीत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उतर प्रदेश के एक्स रणजी प्लेयर अंशुल कपूर के शानदार आल राउंडर खेल 39 रन नॉट आउट और 2 विकेट 2 रन देकर सलिल यादव 2 विकेट 10 रन देकर रोहित मेहरा 2 विकेट 13 रन के शानदार खेल के मदद से बीएसएनएल 1 विकेट पे 58 रन ने बैकयार्ड क्रिकेट ग्राउंड गुरुग्राम में खेल जा रही आल इंडिया पब्लिक सेक्टर टी 20 20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सेण्टर वियर हाउसिंग कोर्पोरेशन 54 फॉर 7 विकेट 15 ओवर को 9 विकेट से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया पराजित टीम की और से क्र रणजी ट्रॉफी प्लेयर अमरीश गोतम ने शानदार 21 रनो की पारी खेली शानदार खेल के लिए उतर प्रदेश के एक्स रणजी प्लेयर अंशुल कपूर को शानदार खेल के लिए अमरीश गोतम जॉइंट सेक्रेटरी AIPSSCB ने मैन ऑफ़ द मैच से सम्मानित किया आज के दूसरे मुकाबले में दिल्ली रणजी प्लेयर मयंक तेहलान 58 रन राधे श्याम गुप्ता 49 रन फिरोज गयस 3 विकेट 27 रन देकर के शानदार खेल की मदद से ONGC 5 विकेट पे 186 रन ने कोल् इंडिया लिमिटेड 135 रन पे 6 विकेट 15 ओवर को 51 रनो के भारी अंतर से हराकर लीग में पहली जीत दर्ज की हारी हुई टीम से प्रकाश ने 40 रनो की शानदार पारी खेली पैर अपनी टीम को हार से न बचा पाए शानदार खेल के लिए मयंक तेहलान को मैन ऑफ़ द मैच से रमेश सचदेवा जी ने सम्मानित किया इस शानदार मोके पे GAIN बत्रा जी जनरल सेक्रेटरी आल इंडिया पब्लिक सेक्टर कण्ट्रोल बोर्ड ने जीती हुई टीम के खिलाड़ियों को शानदार जीत पे बधाई देते हुए सारी टीमों का धन्याबाद किया।

एक नजर

नॉर्किया चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से मंगलवार को बाहर हो गए। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने उनकी चोट के बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं बताया है। टीम में उनकी जगह किसी को शामिल नहीं किया गया है। नॉर्किया ने 12 टेस्ट में 47 विकेट लिए हैं, जिसमें तीन बार पांच विकेट शामिल हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में खेला जाएगा। सीएसए से जारी बयान के मुताबिक, प्रोटियाज (दक्षिण अफ्रीकी) गेंदबाज एनरिक नॉर्किया लगातार चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से वह टेस्ट मैच में गेंदबाजी के लिए पर्याप्त रूप से उबरने में सफल नहीं रहे। वह चोट से उबरने के लिए विशेषज्ञों से सलाह ले रहे है। अभी उनकी जगह किसी और को टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। नॉर्किया ने इंडियन प्रीमियर लीग में भी शानदार प्रदर्शन किया है और उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें रिटेन किया है।

पाकिस्तान के क्रिक्रेटर आबिद अली सीने में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट सलामी बल्लेबाज आबिद अली को प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट कायदे आजम ट्रॉफी के मुकाबले के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। टूर्नामेंट में मध्य पंजाब की ओर खेल रहे आबिद ने दो बार सीने में दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी टीम के मैनेजर अशरफ अली ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने और जांच कराने का फैसला किया। पूर्व टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज अशरफ ने कहा, वह आज सुबह 61 रन बनाकर खेल रहा था जब उसने दो बार सीने में दर्द की शिकायत की और हमने महसूस किया कि उसे अस्पताल भेजना सर्वश्रेष्ठ रहेगा जहां उसकी जांच की जा रही है।

खुलासा

लगा कि मुझे बीच भंवर में छोड़ दिया गया : अश्विन ने शास्त्री की एक प्रतिक्रिया को याद करते हुए कहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के प्रमुख ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने खुलासा किया है कि पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री की एक टिप्पणी के बाद उन्हें ऐसा लग रहा था कि उन्हें बीच भंवर में छोड़ दिया गया और करियर के मुश्किल समय में उन्होंने कई बार खेल को अलविदा कहने के लिए सोचा। ईएसपीनक्रिकइंफो को दिए साक्षात्कार में अश्विन से जब पूछा गया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2019 के सिडनी टेस्ट में पांच विकेट लेने के बाद जब तत्कालीन कोच शास्त्री ने कुलदीप यादव को विदेशों में भारत का शीर्ष स्पिनर करार दिया तो उन्हें कैसा लगा था। अश्विन ने कहा कि वह कुलदीप के लिए वह वास्तव में खुश थे क्योंकि उन्हें पता था कि ऑस्ट्रेलिया में एक स्पिनर के रूप में पांच विकेट लेना कितना मुश्किल है लेकिन शास्त्री की टिप्पणी ने उन्हें पूरी तरह से हताश कर दिया था। अश्विन ने कहा, मैं रवि भाई का बहुत सम्मान करता हूं। हम सब करते हैं। और मैं समझता हूं कि हम सब कुछ कहने के बाद भी अपने शब्दों को वापस ले सकते है। उस समय मैं हालांकि बहुत हताश महसूस कर रहा था। पूरी तरह से टूटा हुआ। इस दिग्गज स्पिनर ने कहा, हम सभी इस बारे में बात करते हैं कि अपने साथियों की सफलता का लुत्फ उठाना लेना कितना जरूरी है। मैं कुलदीप के लिए खुश था। मैं ऑस्ट्रेलिया में पांच विकेट हासिल नहीं कर पाया था लेकिन ऐसा किया। मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी उपलब्धि है। यहां तक कि जब मैंने अच्छी गेंदबाजी की है तभी यह कारनामा नहीं कर सका था, इसलिए मैं वास्तव में उसके लिए खुश हूं। और ऑस्ट्रेलिया में जीत हासिल करना बेहद खुशी का मौका है। अश्विन ने कहा, मुझे अगर उनकी खुशी और टीम की सफलता में हिस्सा लेना है, तो मुझे ऐसा महसूस होना चाहिए कि मैं उसका हिस्सा हूं। अगर मुझे लगता है कि मेरा तिरस्कार हो रहा है तो मैं टीम या टीम के साथी की सफलता का आनंद लेने के लिए कैसे उठा पाउंगा?

कर्नाटक पर बड़ी जीत से तमिलनाडु सेमीफाइनल में

एजेंसी ■ जयपुर

सलामी बल्लेबाज एन जगदीशन के शतक और तेज गेंदबाज रघुपति सिलामबरासन के चार विकेट की मदद से तमिलनाडु ने मंगलवार को यहां कर्नाटक को 151 रन से करारी शिकस्त देकर विजय हजारे ट्राफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तमिलनाडु ने इस मैच में शुरू से आखिर तक दबदबा बनाए रखा। उसने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर आठ विकेट पर 354 रन का विशाल स्कोर बनाया और उसके बाद कर्नाटक को 39 ओवर में 203 रन पर समेट दिया। तमिलनाडु की पारी का आकर्षण जगदीशन के 102 रन रहे जिसके लिए उन्होंने 101 गेंदें खेली तथा नौ चौके और एक छक्का लगाया। उन्होंने बाबा अपराजित (13) के जल्दी आउट हो जाने के बाद आर साई किशोर (61) के साथ दूसरे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी की। अंतिम ओवरों में शाहरूख खान ने 39 गेंदों पर सात चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 79 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान दिनेश कार्तिक ने 44 और बाबा इंद्रजीत ने 31 रन का योगदान दिया।

कर्नाटक की तरफ से लेग स्पिनर प्रवीण दुबे ने 67 रन देकर तीन जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 57 रन देकर दो विकेट लिए। कर्नाटक की टीम बड़े लक्ष्य के सामने शुरू में ही लड़खड़ा गई। रघुपति (36 रन देकर चार) और अनुभवी आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर (43 रन देकर तीन) ने कर्नाटक के किसी भी बल्लेबाज को टिककर नहीं खेलने दिया। संदीप वारियर, साई किशोर और एम सिद्धार्थ ने एक एक विकेट लिया। कर्नाटक के लिए श्रीनिवास शरत ने सर्वाधिक 43 रन बनाए जबकि अभिनव मनोहर ने 34 रन का योगदान दिया। देवदत्त पडिक्कल लगातार दूसरे मैच में नाकाम रहे और पारी के दूसरे ओवर में ही बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। कर्नाटक ने इसके बाद भी नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। कप्तान मनीष पांडे (नौ) जब आउट हुए तो स्कोर चार विकेट 74 रन हो गया।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 की क्वींस बेटन रिले दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरू और ओडिशा में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की क्वींस बेटन रिले 12 से 15 जनवरी के बीच दिल्ली , अहमदाबाद, बेंगलुरू और ओडिशा में होगी जिसके लिए भारतीय ओलंपिक संघ ने एक समिति के गठन का फैसला किया है। क्वींस बेटन रिले 72 देशों के अपने सफर के दौरान चार दिन के लिए भारत में रहेगी। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में समिति के गठन के बारे में बताया। बत्रा ने कहा , महासचिव राजीव मेहता और मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आईओए ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के क्वींस बेटन रिले कार्यक्रम की तैयारी और संचालन के लिए तीन सदस्ईय समिति के गठन का फैसला किया है। समिति में आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य राकेश गुप्ता, मुकेश कुमार और भारतीय नेटबॉल महासंघ की कार्यकारी परिषद के सदस्य हरिओम कौशिक होंगे। आईओए निदेशक जॉर्ज मैथ्यू और आईओए संयुक्त निदेशक नाजिमा खान उनकी मदद करेंगी। रिले 12 जनवरी को दिल्ली में, 13 जनवरी को अहमदाबाद में , 14 जनवरी को बेंगलुरू और 15 जनवरी को ओडिशा में रहेगी। प्रदेश ओलंपिक संघों के अध्यक्ष और सचिवों पर इसके सुचारू संचालन की जिम्मेदारी रहेगी। रिले सात अक्टूबर को बकिंघम पैलेस से शुरू होगी जहां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय बेटन पर राष्ट्रमंडल देशों के लिए अपना संदेश लिखेंगी। बेटन 269 दिनों में 140000 किलोमीटर का सफर तय करेगी और करीब 7500 लोग इसे थामेंगे। यह क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सेशेल्स में, नववर्ष पर मालदीव में और ईस्टर पर जमैका में रहेगी।

पंकज आडवाणी ने जीता 11वां राष्ट्रीय बिलियर्ड्स खिताब

भोपाल। देश के शीर्ष क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने अपने राष्ट्रीय बिलियर्ड्स खिताब का बचाव करते हुए सोमवार को ध्रुव सितवाला को यहां नौ गेम के फाइनल में 5-2 से हराकर 11वीं बार चैम्पियन बनें। सोमवार की देर शाम सितवाला के 64 और 42 के स्कोर के बाद आडवाणी ने 56 और 46 के स्कोर के साथ शुरुआती दो गेम के बाद स्कोर।-। कर दिया।सितवाला ने तीसरे गेम में 84 के स्कोर के साथ एक बार भी बढ़त कायम कर ली। वह चौथे गेम को 101 के स्कोर के साथ अपने नाम करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन एक चूक ने आडवाणी को वापसी का मौका दिया।

पीकेएल

बेंगलुरु बुल्स और यू मुंबा के मैच से शुरू होगा प्रो कबड्डी लीग का आठवां सत्र

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कोरोना वायरस महामारी के खतरे के कारण प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सत्र का आयोजन एक ही स्थल पर बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) में यहां बुधवार से होगा, जहां दर्शकों को आने की अनुमति नहीं होगी। बारह टीमों वाली लीग का आगाज पूर्व चैम्पियन यू मुंबा और बेंगलुरु बुल्स के मैच से होगा जबकि दिन के दूसरे मुकाबले में तेलुगु टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज से होगा। इस सत्र में शुरुआती चार दिन और फिर हर शनिवार के तीन-तीन मैच खेले जाएंगे। बुधवार को खेले जाने वाले तीसरे मैच में गत चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स के सामने यूपी योद्धा की चुनौती होगी। सातवें सत्र के शीर्ष स्कोरर पवन कुमार सेहरावत बेंगलुरु बुल्स को युवा खिलाड़ियों से सजी यू मुंबा के खिलाफ शानदार शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे। बेंगलुरु की टीम में पिछले सत्र में दबंग दिल्ली के लिए प्रभावित करने वाले चंद्रन रंजीत भी है। यू मुंबा की उम्मीदें फजल अत्राचली की अगुवाई में डिफेंस से बेहतर प्रदर्शन पर टिकी होंगी। रेडर अभिषेक और अजीत की युवा जोड़ी विरोधी टीम की अनुभवी डिफेंस को भेदने की कोशिश करेगी। दूसरे मैच में तेलुगु टाइटंस की उम्मीदें सिद्धार्थ देसाई और रोहित कुमार की अनुभवी रेडिंग जोड़ी पर टिकी होंगी। तमिल थलाइवाज के डिफेंस में हालांकि उनका इंतजार ब्लॉक मास्टर सुरजीत करेंगे, जिनके पास पीकेएल के इतिहास में सबसे ज्यादा (116) सफल ब्लॉक हैं।

गत चैंपियन बंगाल वॉरियर्स अपने अभियान की शुरुआत यूपी योद्धा की मजबूत टीम के खिलाफ करेगी।यूपी की टीम पांचवें सत्र में लीग में शामिल होने के बाद से हर बार प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही है। इस बार भी नीलामी में टीम ने पीकेएल के सबसे अधिक मांग वाले रेडर प्रदीप नरवाल को अपने साथ जोड़ा है।

मुख्यमंत्री एकादश ने भाजयुमो एकादश को चार रनों से हराया

एजेंसी ■ देहरादून

यहां अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में मंगलवार को खेले गए एक मैत्री क्रिकेट मैच में मुख्यमंत्री एकादश ने भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) एकादश को चार रनों से हरा दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कप्तानी में मुख्यमंत्री एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात ओवर में दो विकेट खोकर 49 रन बनाए। धामी 14 रन बनाकर नाबाद रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए भाजयुमो एकादश अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में निर्धारित सात ओवर में एक विकेट खोकर केवल 45 रन ही बना पाई।

इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के नई खेल नीति लाई गई है जिसमें खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे लाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने रणजी एवं भारतीय टीम में खेलने वाले उत्तराखंड के खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया।

ओलंपिक विश्व चैम्पियनशिप के पुरुष एकल प्रतियोगिता में ऐतिहासिक रजत पदक उनकी इसी मेहनत का नतीजा है।

ओलंपिक क्वालीफिकेशन चुकने के बाद खुद से कहा था कि दुनिया खत्म नहीं हुई है: श्रीकांत

एजेंसी ■ हैदराबाद

विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कहा कि तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद वह निराश थे लेकिन उन्होंने खुद से कहा था कि इससे दुनिया खत्म नहीं होगी। श्रीकांत चोट और कोविड-19 महामारी के कारण कई क्वालीफायर टूर्नामेंटों के रद्द होने से तोक्यो का टिकट कटाने में नाकाम रहे थे। उन्हें खुद पर भरोसा था कि उनका समय आएगा और उन्होंने इस दिशा में अपनी मेहनत जारी रखी। विश्व चैम्पियनशिप के पुरुष एकल प्रतियोगिता में ऐतिहासिक रजत पदक उनकी इसी मेहनत का नतीजा है। श्रीकांत ने मंगलवार को कहा, ओलंपिक को लेकर मैं भी निराश था। अगर आप देखें तो मैं तब भी भारत की ओर से सर्वोच्च रैंकिंग वाला खिलाड़ी था। ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए लगभग सात से नौ टूर्नामेंट रद्द होने से चीजें बदल गई। उन्होंने कहा, क्वालिफिकेशन के शुरुआती चरण में मैं चोट के कारण नहीं खेल पाया और दूसरे चरण में मैं पूरी तरह से फिट था लेकिन टूर्नामेंट नहीं हुए। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने कहा, 2021 में खेल के फिर से शुरू होने के बाद मैं स्विस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचा। मैं आत्मविश्वास से भरा था कि ओलंपिक का टिकट हासिल कर लूंगा। लेकिन फिर कई टूर्नामेंट रद्द हो गए। उन्होंने कहा, उस दिन मुझे लगा कि ओलंपिक के लिए नहीं जाना दुनिया का अंत नहीं है। मैंने सोचा था कि मुझे और मौके मिलेंगे। मैंने इसके लिए मेहनत की।